



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 416 ]  
No. 416 ]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 7, 1999/आषाढ़ 16, 1921  
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 7, 1999/ASADHA 16, 1921

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 7 जुलाई, 1999

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
( साख निर्धारण एजेंसियां ) विनियम, 1999

का.आ. 547( अ ).— भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 ( 1992 का 15 ) की धारा 11 के साथ पठित धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

अध्याय-I

प्रारंभिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

1. (1) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ( साख निर्धारण एजेंसियां ) विनियम, 1999 कहा जा सकेगा।

(1)

- (2) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
- परिभाषाएँ 2. (1) इन विनियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, -
- (क) “अधिनियम” से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है ;
- (ख) “सहयुक्त”, साख निर्धारण एजेंसी के संबंध में, के अन्तर्गत एक व्यक्ति है -
- i) जो, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, स्वयं अपने द्वारा, या नातेदारों के साथ, साख निर्धारण एजेंसी के मताधिकारों के दस प्रतिशत से अन्यून वाले शेयरों का स्वामित्व या नियन्त्रण रखता है, या
- ii) जिसकी बाबत साख निर्धारण एजेंसी, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, स्वयं इसके द्वारा, या अन्य व्यक्तियों के साथ, मताधिकारों के दस प्रतिशत से अन्यून वाले शेयरों का स्वामित्व या नियन्त्रण रखती है, या
- iii) जिसके निदेशकों का बहुमत, साख निर्धारण एजेंसी के मताधिकारों के दस प्रतिशत से अन्यून वाले शेयरों का स्वामित्व या नियन्त्रण रखता है, या
- iv) जिसका निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी साख निर्धारण एजेंसी का

- भी एक निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी है ;
- ग) “बोर्ड” से अधिनियम की धारा 2 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) में यथा परिभाषित बोर्ड अभिप्रेत है ;
- घ) “निगमित निकाय” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 2 के खण्ड (7) में यथा परिभाषित निगमित निकाय अभिप्रेत है ;
- ङ) “प्रमाणपत्र” से इन विनियमों के अधीन बोर्ड द्वारा प्रदान किया गया या नवीकृत किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्रेत है ;
- च) “ग्राहक” से कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जिसकी प्रतिभूतियों की रेटिंग साख निर्धारण एजेंसी द्वारा की जाती है;
- छ) “कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन एक निगमित कंपनी अभिप्रेत है ;
- ज) “साख निर्धारण एजेंसी” से एक निगमित निकाय अभिप्रेत है जो सार्वजनिक या साधिकार निर्गम के तौर पर प्रस्तावित प्रतिभूतियों की रेटिंग के कारबार में लगा हुआ है, या में लगे जाने के लिए प्रस्तावित है ;
- झ) “आर्थिक अपराध” से वह अपराध अभिप्रेत है जिसके लिए आर्थिक

- अपराध (परिसीमा का लागू न होना) अधिनियम, 1974 (1974 का 12), तत्समय लागू है ;
- अ) “जॉच अधिकारी” से बोर्ड का कोई अधिकारी, या कोई अन्य व्यक्ति अभिप्रेत है, जो बोर्ड द्वारा विनियम 38 के अधीन प्राधिकृत है ;
- ट) “प्ररूप” से प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्ररूपों में से कोई अभिप्रेत है ;
- ठ) “कपट” का वही अर्थ है जो भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 (1872 का 9) की धारा 17 द्वारा इसके लिए नियत है ;
- ड) “समूह कंपनियाँ” से एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) में यथा परिभाषित समूह कंपनियाँ अभिप्रेत है ;
- ढ) “निरीक्षण अधिकारी” से बोर्ड द्वारा विनियम 29 के अधीन नियुक्त कोई एक या अधिक व्यक्ति अभिप्रेत है ;
- ण) “निर्गमकर्ता” से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जिसकी प्रतिभूतियाँ साख निर्धारण एजेंसी द्वारा रेटिंग किए जाने के लिए प्रस्तावित हैं ;
- त) “शुद्ध-मूल्य” से समादत्त इक्विटी पूँजी और खुली आरक्षितियों (पुनर्मूल्यांकन में से सृजित आरक्षितियों को अपवर्जित करते

हुए) का संकलित मूल्य, बट्टे खाते में न डाली गयी संचित हानियों और आस्थगित व्यय के संकलित मूल्य द्वारा घटायी गयी, जिसके अन्तर्गत बट्टे खाते में न डाले गए प्रकीर्ण व्यय हैं, अभिप्रेत है ;

- थ) “रेटिंग” से प्रतिभूतियों के संबंध में राय, मानकीकृत प्रतीकों के रूप में या किसी अन्य मानकीकृत रीति में अभिव्यक्त, साख निर्धारण एजेंसी द्वारा नियत और ऐसी प्रतिभूतियों के निर्गमकर्ता द्वारा उपयोग की गयी, इन विनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट अपेक्षा का अनुपालन करने के लिए अभिप्रेत है ;
- द) “रेटिंग समिति” से साख निर्धारण एजेंसी द्वारा प्रतिभूति को रेटिंग नियत करने के लिए गठित समिति अभिप्रेत है ;
- ध) “विनियम” से इन विनियमों का भागरूप विनियम अभिप्रेत है ;
- न) “नातेदार” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 6 में यथा परिभाषित नातेदार अभिप्रेत है ;
- प) “अनुसूची” से इन विनियमों से संलग्न अनुसूचियों में से कोई अभिप्रेत है ; और
- फ) “प्रतिभूतियाँ” का अर्थ प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 2 के खण्ड (ज) में

इसके लिए नियत है ;

- (2) इन विनियमों में उपयोग किए गए और अपरिभाषित शब्दों और पदों, किंतु अधिनियम में परिभाषित, के अर्थ अधिनियम में क्रमशः जो उनके लिए नियत हैं होंगे ।

## अध्याय II

### साख निर्धारण एजेंसियों का रजिस्ट्रीकरण

प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए 3. आवेदन

- (1) इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख को या के पश्चात् साख निर्धारण एजेंसी के रूप में कोई क्रियाकलाप प्रारंभ करने का प्रस्ताव करने वाला कोई व्यक्ति इस प्रयोजन के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए बोर्ड को आवेदन करेगा ।
- (2) कोई व्यक्ति, जो उक्त तारीख के ठीक पहले साख निर्धारण एजेंसी के रूप में कोई क्रियाकलाप कर रहा है, ऐसी तारीख से तीन मास की अवधि के भीतर प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए बोर्ड को आवेदन करेगा ।

परंतु यह कि बोर्ड, जहाँ इसकी राय है कि ऐसा करना आवश्यक है, ऐसे कारणों से जो लिखित रूप में अभिलिखित किए जाएँगे, उक्त अवधि को ऐसी तारीख से अधिकतम छह मास तक बढ़ा सकेगा ।

- (3) उप-विनियम (1) या उप-विनियम (2) के अधीन प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन बोर्ड को

प्रथम अनुसूची के प्ररूप क में किया जाएगा और इसके साथ द्वितीय अनुसूची के भाग क में यथा विनिर्दिष्ट, उसके भाग ख में विनिर्दिष्ट रीति से संदत्त की जाने वाली अप्रतिदेय आवेदन फीस होगी ।

- (4) उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट कोई व्यक्ति जो उस उप-विनियम में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन करने में असफल रहता है रेटिंग क्रियाकलाप करना समाप्त कर देगा ।

#### साख निर्धारण एजेंसी का 4. संप्रवर्तक

बोर्ड विनियम 3 के अधीन आवेदन पर विचार नहीं करेगा जब तक कि आवेदक निम्नलिखित प्रवर्गों में से किसी भी अंग के व्यक्ति द्वारा संप्रवर्तित न हो, अर्थात् :

- (क) लोक वित्तीय संस्था, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 क में यथा परिभाषित ;
- (ख) भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की द्वितीय अनुसूची में तत्समय सम्मिलित अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक ;
- (ग) भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुमोदन से भारत में प्रचालन करने वाला विदेशी बैंक ;
- (घ) विदेशी साख निर्धारण एजेंसी इसके निगमन के देश में तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा या के

अधीन मान्यताप्राप्त, प्रतिभूतियों की रेटिंग में कम से कम पाँच वर्षों का अनुभव रखने वाली ;

- (ड) कोई कंपनी या निगमित निकाय, इन विनियमों के अधीन प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए बोर्ड के पास आवेदन दाखिल करने के पूर्विक पूर्ववर्ती पाँच वर्षों के लिए इसके संपरीक्षित वार्षिक लेखों के अनुसार न्यूनतम एक सौ करोड़ रुपये का निरंतर शुद्ध-मूल्य रखने वाली ।

पात्रता मानदंड

5.

बोर्ड विनियम 3 के अधीन प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन पर विचार नहीं करेगा, जब तक कि आवेदक निम्नलिखित शर्तें पूरी नहीं करता है, अर्थात् :

- क) आवेदक कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन कंपनी के रूप में स्थापित और रजिस्ट्रीकृत है ;
- ख) आवेदक ने, इसके संगम ज्ञापन में, इसके मुख्य उद्देश्यों में से एक के तौर पर रेटिंग क्रियाकलाप विनिर्दिष्ट किया हो ;
- ग) आवेदक का न्यूनतम शुद्ध-मूल्य पाँच करोड़ रुपये का है ।

परंतु यह कि इन विनियमों के प्रारम्भ पर विद्यमान साख निर्धारण एजेंसी, पाँच करोड़ रुपये से कम के शुद्ध-मूल्य के साथ, इस शर्त को पूरी की हुई समझी जाएगी, यदि यह अपना शुद्ध-



मूल्य उक्त न्यूनतम तक ऐसे प्रारम्भ के तीन वर्षों की कालावधि के भीतर बढ़ाती है ।

- घ) आवेदक के पास पर्याप्त अवसंरचना हो, इसे अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों के अनुसार रेटिंग सेवाएँ उपलब्ध कराने में समर्थ बनाने के लिए ;
- ङ) विनियम 4 में निर्दिष्ट, आवेदक और आवेदक के संप्रवर्तकों के पास वृत्तिक सक्षमता, वित्तीय सुदृढ़ता और कारखारी संव्यवहारों में औचित्य और सत्यनिष्ठा की साधारण ख्याति हो, बोर्ड के समाधानप्रद रूप में ;
- च) न तो आवेदक, न ही इसका संप्रवर्तक, न ही आवेदक या इसके संप्रवर्तक का कोई निदेशक, प्रतिभूति बाज़ार से संबद्ध किसी विधिक कार्यवाही में अंतर्वलित है, जो विनिधानकर्ताओं के हितों पर प्रतिकूल समाधात कर सकती हो ;
- छ) न तो आवेदक, न ही इसके संप्रवर्तक, न ही इसके संप्रवर्तक का कोई निदेशक किसी समय भूतकाल में किसी अपराध का सिद्धदोष ठहराया गया है जिसमें नैतिक अधमता या कोई आर्थिक अपराध अंतर्वलित है ;
- ज) आवेदक के पास, इसके नियोजन में, बोर्ड के समाधानप्रद रूप में पर्याप्त वृत्तिक और अन्य सुसंगत

अनुभव रखने वाले व्यक्ति हों ;

- झ) आवेदक से प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः संबद्ध न तो आवेदक, न ही किसी अन्य व्यक्ति को भूतकाल में -
- i) बोर्ड द्वारा इन विनियमों के अधीन प्रमाणपत्र नामंजूर किया गया हो या
- ii) अधिनियम के या अधिनियम के अधीन बनाए गए किन्हीं नियमों या विनियमों के उल्लंघन के लिए किन्हीं कार्यवाहियों के अध्याधीन किया गया हो ।

स्पष्टीकरण :

इस खण्ड के प्रयोजन के लिए, पद “प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः संबद्ध व्यक्ति” से कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो आवेदक का सहयुक्त, समनुषंगी, अंतःसंबंधित अथवा समूह कंपनी या आवेदक के जैसे उसी प्रबंधतंत्र के अधीन कंपनी है।

- ञ) आवेदक, सभी अन्य प्रकार से, प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति है ;
- ट) आवेदक को प्रमाणपत्र प्रदान करना विनिधानकर्ताओं और प्रतिभूति बाज़ार के हित में है ।

अपेक्षाओं के अनुरूप आवेदन 6.

प्रमाणपत्र के लिए कोई आवेदन, जो सभी प्रकार से पूर्ण नहीं है या

विनियम 5 की अपेक्षा या प्ररूप क में विनिर्दिष्ट अनुदेशों के अनुरूप नहीं होता है बोर्ड द्वारा नामंजूर कर दिया जाएगा :

परंतु यह कि, कोई ऐसा आवेदन नामंजूर करने के पूर्व, आवेदक को, सुसंगत संसूचना की प्राप्ति की तारीख के तीस दिनों के भीतर, बोर्ड से ऐसे आक्षेपों को दूर करने का अवसर दिया जाएगा जो बोर्ड द्वारा उपदर्शित किए जाएँ ।

परंतु यह और, कि बोर्ड, पर्याप्त कारण दर्शाये जाने पर, ऐसे अतिरिक्त समय तक आक्षेपों के दूर किये जाने के लिए समय बढ़ा सकेगा, तीस दिनों से अनधिक, जैसा बोर्ड ऐसे आक्षेपों को दूर करने के लिए आवेदक को समर्थ बनाने के लिए ठीक माने ।

जानकारी, स्पष्टीकरण देना 7. (1)  
और वैयक्तिक प्रतिनिधित्व

बोर्ड आवेदक से ऐसी अतिरिक्त जानकारी या स्पष्टीकरण देने की अपेक्षा कर सकेगा जैसा कि बोर्ड, आवेदन के प्रसंस्करण के प्रयोजन के लिए आवश्यक माने ।

(2) बोर्ड, यदि यह ऐसी बांछा करता है, आवेदक या इसके प्राधिकृत प्रतिनिधि को बोर्ड के समक्ष, प्रमाणपत्र प्रदान करने के संबंध में वैयक्तिक प्रतिनिधित्व के लिए हाजिर होने के लिए कह सकेगा ।

प्रमाणपत्र प्रदान करना 8. (1)

बोर्ड, समाधान हो जाने पर कि आवेदक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए पात्र है,

प्ररूप 'ख' में प्रमाणपत्र प्रदान करेगा ।

- (2) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करना द्वितीय अनुसूची के भाग क में, उसके भाग ख में विहित रीति में विनिर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण फीस के संदाय के अध्वधीन होगा ।

प्रमाणपत्र की शर्तें और 9. विधिमान्यता अवधि

- (1) विनियम 8 के अधीन प्रदान किया गया प्रमाणपत्र, निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन होगा, अर्थात् :

- (क) साख निर्धारण एजेंसी अधिनियम के उपबंधों, उसके अधीन बनाए गए विनियमों और बोर्ड द्वारा समय-समय पर साख निर्धारण के विषय पर जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों, निदेशों, परिपत्रों और अनुदेशों का अनुपालन करेगी ।

- (ख) (1) जहाँ बोर्ड को साख निर्धारण एजेंसी द्वारा दी गयी कोई जानकारी या विशिष्टियाँ(यों) :

- i) किसी तात्त्विक विशिष्टि में मिथ्या या भ्रामक पायी जाती है या

- ii) में प्रमाणपत्र के लिए आवेदन के समय इसके देने के तत्पश्चात् परिवर्तन किया हो, साख निर्धारण एजेंसी तत्क्षण बोर्ड को लिखित रूप में सूचित करेगी ।

- (2) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की विधिमान्यता की कालावधि तीन वर्ष होगी ।

**प्रमाणपत्र का नवीकरण**

10. (1) साख निर्धारण एजेंसी, यदि यह इसको प्रदान किए गए प्रमाणपत्र के नवीकरण की वांछा करती है, बोर्ड को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए आवेदन करेगी ।
- (2) ऐसा आवेदन प्रमाणपत्र की विधिमान्यता की कालावधि के अवसान के पूर्व तीन मास से अन्यून किया जाएगा, विनियम 9 के उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट।
- (3) उप-विनियम (1) के अधीन किया गया नवीकरण के लिए आवेदन -
- (क) द्वितीय अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट नवीकरण फीस के साथ होगा और
- (ख) यथाशक्य, उसी रीति से कार्यवाही की जाएगी मानो ये विनियम 3 के अधीन नया प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन हों ।
- प्रक्रिया जहाँ प्रमाणपत्र प्रदान नहीं किया जाता है 11. (1) यदि, यथास्थिति विनियम 3 या विनियम 10 के अधीन किए गए आवेदन पर विचार करने के पश्चात्, बोर्ड की राय है कि प्रमाणपत्र यथास्थिति प्रदान या नवीकृत नहीं किया जाना चाहिए, यह, आवेदक को सुने जाने का उचित अवसर देने के पश्चात्, आवेदन नामंजूर कर सकेगा ।
- (2) उप-विनियम (1) के अधीन प्रमाणपत्र प्रदान न करने या नवीकृत न करने का, बोर्ड का विनिश्चय, बोर्ड द्वारा आवेदक को

ऐसे विनिश्चय के तीस दिनों की कालावधि के भीतर, विनिश्चय के आधारों का कथन करते हुए, संसूचित किया जाएगा।

(3) उप-विनियम (1) के अधीन उसका आवेदन नामंजूर करने के बोर्ड के विनिश्चय द्वारा व्यथित कोई आवेदक, उसके द्वारा उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट संसूचना की प्राप्ति की तारीख से तीस दिनों की कालावधि के भीतर, बोर्ड को ऐसे विनिश्चय के पुनर्विचार के लिए लिखित रूप में आवेदन कर सकेगा।

(4) जहाँ उप-विनियम (3) के अधीन पुनर्विचार के लिए आवेदन किया जाता है, बोर्ड आवेदन पर विचार करेगा और आवेदक को यथाशीघ्र, इसका विनिश्चय लिखित रूप में संसूचित करेगा।

प्रमाणपत्र प्रदान करने के इंकार 12.  
का प्रभाव

(1) विनियम 11 के उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट आवेदक जिसका प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन विनियम 11 के अधीन नामंजूर कर दिया गया हो, कोई रेटिंग क्रियाकलाप नहीं करेगा।

(2) विनियम 3 के उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदक, जिसका प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन बोर्ड द्वारा विनियम 11 के अधीन नामंजूर कर दिया गया हो, विनियम 11 के उप-विनियम (2) के अधीन संसूचना की प्राप्ति की तारीख को और से, कोई रेटिंग

क्रियाकलाप करना बंद कर देगा :

- (3) यदि बोर्ड का समाधान हो जाता है कि यह विनिधानकर्ताओं के हित में है, यह उप-विनियम (1) या (2) के अधीन निर्दिष्ट साख निर्धारण एजेंसी को इसके द्वारा पहले ही से ग्रहण किए गए रेटिंग कर्तव्यभार पूरे करने की अनुज्ञा दे सकेगा, आवेदन के लंबित रहने या प्रमाणपत्र की विधिमान्यता की कालावधि के दौरान ।
- (4) बोर्ड, विनिधानकर्ताओं के हितों का संरक्षण करने के लिए, साख निर्धारण एजेंसी, जिसका प्रमाणपत्र प्रदान करने या के नवीकरण के लिए आवेदन नामंजूर कर दिया गया हो के क्रियाकलापों संबंधी अभिलेखों, दस्तावेजों या रिपोर्टों के अंतरण के विषय में निदेश जारी कर सकेगा ।
- (5) बोर्ड, विनिधानकर्ताओं के हितों का संरक्षण करने के लिए, किसी व्यक्ति को उप-विनियम (4) में निर्दिष्ट साख निर्धारण एजेंसी के रेटिंग क्रियाकलापों संबंधी अभिलेखों, दस्तावेजों या रिपोर्टों को अपनी सुपुर्दगी में लेने के लिए नियुक्त कर सकेगा और इस प्रयोजन के लिए ऐसी नियुक्ति के निबंधन और शर्तें भी अवधारित कर सकेगा ।

### अध्याय III

#### साख निर्धारण एजेंसियों की साधारण बाध्यताएँ

- |                    |     |  |
|--------------------|-----|--|
| आचार संहिता        | 13. | प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी तृतीय अनुसूची में अंतर्विष्ट आचार संहिता का पालन करेगी।   |
| ग्राहक के साथ करार | 14. | <p>प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी प्रत्येक ग्राहक जिसकी प्रतिभूतियाँ यह रेटिंग करने के लिए प्रस्थापित करता है के साथ लिखित करार करेगी, और प्रत्येक ऐसे करार के अन्तर्गत निम्नलिखित उपबंध होंगे, अर्थात्:-</p> <p>(क) प्रतिभूतियों की रेटिंग की बाबत प्रत्येक पक्षकार के अधिकार और दायित्व परिभाषित किए जाएँगे ;</p> <p>(ख) साख निर्धारण एजेंसी द्वारा प्रभारित की जाने वाली फीस विनिर्दिष्ट की जाएगी ;</p> <p>(ग) ग्राहक रेटिंग की गई लिखत की अवधि के दौरान साख निर्धारण एजेंसी द्वारा रेटिंग का आवधिक पुनर्विलोकन करने का करार करेगा;</p> |



- (घ) ग्राहक साख निर्धारण एजेंसी के साथ सहकार करने के लिए पश्चात्कथित को ग्राहकों की प्रतिभूतियों की सत्य और सही रेटिंग करने, और बनाए रखने में, समर्थ बनाने के लिए करार करेगा और विशिष्टतया पश्चात्कथित को, प्रयोजन के लिए सत्य, पर्याप्त और यथासमय जानकारी उपलब्ध करायेगा ;
- (ङ) साख निर्धारण एजेंसी ग्राहक को प्रसारण के नियमित ढंगों के माध्यम से पश्चात्कथित की प्रतिभूतियों को नियत रेटिंग प्रकट करेगी, इसका विचार किए बिना कि क्या रेटिंग ग्राहक द्वारा स्वीकृत है या नहीं है ;
- (च) ग्राहक, प्रस्ताव दस्तावेज में, प्रकट करने का करार करेगा,
- (i) अंतिम तीन वर्षों के दौरान किसी साख निर्धारण एजेंसी द्वारा ग्राहक की सूचीबद्ध प्रतिभूतियों को नियत रेटिंग और
- (ii) किसी अन्य साख निर्धारण एजेंसी द्वारा ग्राहक की प्रतिभूतियों की बाबत दी गयी कोई रेटिंग, जो ग्राहक द्वारा स्वीकृत न की गयी हो।
- (छ) ग्राहक कम से कम दो भिन्न रेटिंग एजेंसियों से ऋण प्रतिभूतियों जिनका आकार एक सौ करोड़

रूपये के बराबर है या से अधिक है, के किसी निर्गम के लिए रेटिंग अभिप्राप्त करने का करार करेगा।

### रेटिंगों का अनुश्रवण

15. (1)

प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी, इसके द्वारा रेटिंग की गयी प्रतिभूतियों के जीवन काल के दौरान, ऐसी प्रतिभूतियों की रेटिंग का निरंतर अनुश्रवण करेगी।

(2)

प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी नयी नियत रेटिंगों, और पूर्वतर रेटिंग में परिवर्तनों संबंधी जानकारी प्रेस प्रकाशनियों और वेबसाइटों के माध्यम से तत्परता से प्रसारित करेगी, और, सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा निर्गमित प्रतिभूतियों के मामले में, ऐसी जानकारी साथ-साथ संबद्ध प्रादेशिक स्टाक एक्सचेंज को और सभी स्टाक एक्सचेंजों को जहाँ उक्त प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हैं भी उपलब्ध करायेगी।

### रेटिंग के पुनर्विलोकन के लिए प्रक्रिया

16. (1)

प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी, प्रतिभूतियों के जीवन काल के दौरान सभी प्रकाशित रेटिंगों के आवधिक पुनर्विलोकन करेगी।

(2)

यदि ग्राहक साख निर्धारण एजेंसी के साथ इस प्रकार सहकार नहीं करता है कि साख निर्धारण एजेंसी इस विनियम के विनियम 15 के अधीन इसकी बाध्यताओं का अनुपालन करने में समर्थ बने, साख निर्धारण एजेंसी सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर पुनर्विलोकन करेगी।

परंतु यह, कि यदि सहकार की ऐसी कमी की वजह से, रेटिंग सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर हो, साख निर्धारण एजेंसी विनिधानकर्ताओं को तथ्य प्रकट करेगी कि रेटिंग इस प्रकार आधारित है।

- (3) साख निर्धारण एजेंसी रेटिंग प्रत्याहृत नहीं करेगी जितने समय तक इसके द्वारा रेटिंग की गई प्रतिभूति के अधीन बाध्यताएँ बकाया हैं, सिवाय इसके जहाँ कंपनी जिसकी प्रतिभूति की रेटिंग की गई है परिसमाप्त हो गई है या अन्य कंपनी में विलीन या समामेलित हो गई है।

विरचित की जाने वाली 17.  
आंतरिक प्रक्रिया

प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी इसके ग्राहकों की प्रतिभूतियों में इसके कर्मचारियों द्वारा प्रतिभूतियों के व्यापार का अनुश्रवण करने के लिए समुचित प्रक्रियाएँ और प्रणालियाँ विरचित करेगी, निम्नलिखित के उल्लंघन को रोकने के लिए-

- (क) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार) विनियम, 1992 ;
- (ख) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति बाज़ार से संबंधित कपटपूर्ण और अशुद्ध व्यापारिक व्यवहारों का प्रतिषेध) विनियम, 1995 ; और

- (ग) प्रतिभूतियों के व्यापार से सुसंगत अन्य विधियाँ ।
- रेटिंग परिभाषाओं और 18. (1) प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी -  
तर्काधार का प्रकटीकरण
- (क) संबद्ध रेटिंग की परिभाषाएँ, प्रतीक के साथ लोक विदित करेगी और,
- (ख) कथन भी करेगी कि रेटिंगें किन्हीं प्रतिभूतियों को क्रय करने, धारण करने या विक्रय करने की सिफारिशें संघटित नहीं करती है।
- (2) प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी जनसाधारण को रेटिंगों के तर्काधार संबंधी जानकारी उपलब्ध करायेगी, जिसमें अनुकूल निर्धारण को न्यायोचित ठहराने वाले विभिन्न कारकों, साथ ही जोखिम संघटित करने वाले कारकों के विश्लेषण का समावेश होगा ।
- बोर्ड को जानकारी प्रस्तुत 19. (1) जहाँ कोई जानकारी बोर्ड द्वारा करना
- साख निर्धारण एजेंसी से इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए मँगायी जाती है, जिसके अन्तर्गत इसके क्रियाकलापों संबंधी कोई रिपोर्ट है, साख निर्धारण एजेंसी ऐसी जानकारी बोर्ड को देगी -
- (क) बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर या
- (ख) यदि ऐसी कोई कालावधि विनिर्दिष्ट नहीं है, तब उचित समय के भीतर।

- (2) प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी, प्रत्येक लेखा कालावधि की समाप्ति पर, बोर्ड को इसके तुलनपत्र और लाभ और हानि लेखा की प्रतियाँ देगी ।
- बोर्ड द्वारा जारी परिपत्रों 20.  
इत्यादि का अनुपालन
- प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी ऐसे मार्गदर्शक सिद्धांतों, निदेशों, परिपत्रों और अनुदेशों का अनुपालन करेगी जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर, साख निर्धारण के विषय पर जारी किए जाएँ ।
- लेखा बहियाँ, अभिलेख, इत्यादि 21.  
बनाए रखना
- प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी, न्यूनतम पाँच वर्षों की कालावधि के लिए, निम्नलिखित लेखा बहियाँ, अभिलेख और दस्तावेज रखेगी और बनाए रखेगी, अर्थात्:
- (क) इसके तुलनपत्र की प्रति, प्रत्येक लेखा कालावधि की समाप्ति पर ;
- (ख) प्रत्येक लेखा कालावधि के लिए इसके लाभ और हानि लेखा की प्रति ;
- (ग) प्रत्येक लेखा कालावधि के लिए इसके लेखों पर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की प्रति ;
- (घ) प्रत्येक ग्राहक के साथ, किए गए करार की प्रति ;
- (ङ) ग्राहकों में से प्रत्येक द्वारा दी गई जानकारी ;
- (च) प्रत्येक ग्राहक के साथ पत्र-

व्यवहार;

- (छ) विभिन्न प्रतिभूतियों को नियत रेटिंगें जिनके अन्तर्गत इस प्रकार नियत रेटिंगों का दर-उन्नयन और दर-अवनयन (यदि कोई हो) है ;
  - (ज) रेटिंग समिति द्वारा विचार किए गए रेटिंग टिप्पण ;
  - (झ) रेटिंग समिति के विनिश्चयों का अभिलेख ;
  - (ञ) रेटिंग नियत करने वाला पत्र ;
  - (ट) रेटिंग के लिए प्रभारित फीस की विशिष्टियाँ और ऐसे अन्य अभिलेख जो बोर्ड समय-समय पर विनिर्दिष्ट कर सकेगा ।
- (2) प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी बोर्ड को उस स्थान की सूचना देगी जहाँ इन विनियमों के अधीन बनाए रखे जाने के लिए अपेक्षित लेखा बहियाँ, अभिलेख और दस्तावेज बनाए रखे जा रहे हैं ।

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट पर 22.  
कदम

प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी, लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तारीख से दो मास के भीतर, लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में दी गई कमियों, यदि कोई हों, जहाँ तक वे प्रतिभूतियों की रेटिंग के क्रियाकलाप से संबंधित हैं, का परिशोधन करने के लिए कदम उठायेगी ।

## गोपनीयता

23.

प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी, ग्राहक द्वारा इसको दी गई जानकारी, गोपनीय रूप में, मानेगी और कोई साख निर्धारण एजेंसी किसी अन्य व्यक्ति को उसे प्रकट नहीं करेगी, सिवाय इसके जहाँ ऐसा प्रकटीकरण तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा या के अधीन अपेक्षित या अनुज्ञात है ।

## रेटिंग प्रक्रिया

24.

(1)

प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी -

(क)

रेटिंग प्रक्रिया विनिर्दिष्ट करेगी ;

(ख)

उसकी प्रति बोर्ड के पास अभिलेख के लिए दाखिल करेगी ; और उसमें समय-समय पर किए गए कोई उपांतर या परिवर्धन बोर्ड के पास दाखिल करेगी ।

(2)

प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी, सभी मामलों में, उपयुक्त रेटिंग प्रक्रिया का अनुसरण करेगी ।

(3)

प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी के पास वृत्तिक रेटिंग समितियाँ होंगी, वे सदस्य समाविष्ट करते हुए जो रेटिंग नियत करने में पर्याप्त अर्हित और जानकार हैं ।

(4)

सभी रेटिंग विनिश्चय, जिनके अन्तर्गत रेटिंग में परिवर्तनों के संबंध में विनिश्चय हैं, रेटिंग समिति द्वारा किए जाएँगे ।

(5)

प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी रेटिंग कर्तव्यभार निभाने के लिए अर्हित विश्लेषकों द्वारा

कर्मचारिवृद्धि की जाएगी ।

- (6) प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी बोर्ड को इसके द्वारा पुरःस्थापित नये रेटिंग साधनों या प्रतीकों के बारे में सूचित करेगी ।
- (7) प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी, प्रतिभूति की रेटिंग करते समय, यह सुनिश्चित करने के लिए सम्यक् तत्परता बरतेगी कि साख निर्धारण एजेंसी द्वारा दी गई रेटिंग उचित और समुचित है ।
- (8) साख निर्धारण एजेंसी इसके द्वारा निर्गमित प्रतिभूतियों की रेटिंग नहीं करेगी ।
- (9) रेटिंग की परिभाषा, साथ ही विशिष्ट रेटिंग उत्पाद के लिए संरचना, बोर्ड को पूर्विक सूचना दिये बिना, साख निर्धारण एजेंसी द्वारा परिवर्तित नहीं की जाएगी ।
- (10) साख निर्धारण एजेंसी संबद्ध स्टॉक एक्सचेंज को प्रेस प्रकाशनी और सामान्य विनिधानकर्ताओं के लिए वेबसाइटों के माध्यम से, ग्राहक की प्रतिभूतियों को नियत रेटिंग, आवधिक पुनर्विलोकन के पश्चात्, जिसके अन्तर्गत रेटिंग में परिवर्तन, यदि कोई हों, हैं प्रकट करेगी ।



## अध्याय IV

संप्रवर्तकों द्वारा या कतिपय अन्य व्यक्तियों द्वारा  
निर्गमित प्रतिभूतियों की रेटिंग पर निर्बंधन

परिभाषाएँ	25.	इस अध्याय में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:-
	(क)	“सहयुक्त”, संप्रवर्तक के संबंध में, जिसके अन्तर्गत निगमित निकाय है जिसमें संप्रवर्तक शेयर पूँजी का, दस प्रतिशत या अधिक धारण करता है ;
	(ख)	“संप्रवर्तक” से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो साख निर्धारण एजेंसी के शेयरों का, दस प्रतिशत या अधिक धारण करता है ।
संप्रवर्तक द्वारा निर्गमित प्रतिभूतियाँ	26.	(1) कोई साख निर्धारण एजेंसी इसके संप्रवर्तक द्वारा निर्गमित प्रतिभूति की रेटिंग नहीं करेगी ।
	(2)	यदि संप्रवर्तक उधारदाता संस्था है, इसका अध्यक्ष, निदेशक या कर्मचारी साख निर्धारण एजेंसी या इसकी रेटिंग समिति का अध्यक्ष, निदेशक या कर्मचारी नहीं होगा ।

परंतु यह कि उप-विनियम (2)  
इन विनियमों के प्रारंभ से तीन

मास के भीतर प्रवृत्त होगा ।

- संप्रवर्तक, या रेटिंग एजेंसी से 27. (1) साख निर्धारण एजेंसी उस सत्ता  
संबद्ध, कतिपय सत्ताओं द्वारा  
निर्गमित प्रतिभूतियाँ, रेटिंग न  
किया जाना
- (क) इसके संप्रवर्तक की उधार लेने  
वाली है ; या
- (ख) इसके संप्रवर्तक की समनुषंगी है ;  
या
- (ग) इसके संप्रवर्तक की सहयुक्त है,  
यदि
- (i) साख निर्धारण एजेंसी और इसकी  
सत्ताओं के बीच साझे अध्यक्ष,  
निदेशक हैं ।
- (ii) अध्यक्ष कर्मचारी हैं ।
- (iii) निदेशक समितियों में साझे अध्यक्ष,  
निदेशक, कर्मचारी हैं ।
- (2) कोई साख निर्धारण एजेंसी इसके  
सहयुक्त या समनुषंगी द्वारा  
निर्गमित प्रतिभूति की रेटिंग नहीं  
करेगी, यदि साख निर्धारण एजेंसी  
या इसकी रेटिंग समिति का  
अध्यक्ष, निदेशक या कर्मचारी वह  
हो जो किसी ऐसी सत्ता का भी  
अध्यक्ष, निदेशक या कर्मचारी है।
- पहले ही से रेटिंग की गई 28.  
प्रतिभूतियाँ
- इस अध्याय में कोई भी बात उन  
प्रतिभूतियों पर लागू नहीं होगी  
जिनकी रेटिंग साख निर्धारण  
एजेंसी द्वारा इन विनियमों के  
प्रारंभ के पूर्व पहले ही से कर ली

गयी हो, और ऐसी प्रतिभूतियाँ, इन विनियमों के अन्य अध्यायों के उपबंधों के अध्याधीन हो सकेंगी, रेटिंग की जानी जारी रखी जा सकेंगी, इस अध्याय में अंतर्विष्ट विनियमों द्वारा अधिरोपित निर्बंधनों का अनुपालन करने की आवश्यकता के बिना ।

## अध्याय V

### निरीक्षण और अन्वेषण के लिए प्रक्रिया

- निरीक्षण करने का बोर्ड का 29. (1) निरीक्षण अधिकार
- बोर्ड निरीक्षण अधिकारियों के रूप में एक या अधिक व्यक्ति, साख निर्धारण एजेंसियों की लेखा बहियों, अभिलेखों और दस्तावेजों का निरीक्षण या अन्वेषण करने के लिए, उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों में से किसी के लिए नियुक्त कर सकेगा ।
- (2) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट प्रयोजन निम्नलिखित होंगे, अर्थात्:
- (ग) अभिनिश्चित करना कि क्या लेखा बहियाँ, अभिलेख और दस्तावेज उपयुक्त रूप से बनाए रखे जा रहे हैं ;
- (ख) अभिनिश्चित करना कि क्या अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों का अनुपालन किया जा रहा है ;
- (ग) विनिधानकर्ताओं, ग्राहकों या किसी अन्य व्यक्ति से साख निर्धारण एजेंसी के क्रियाकलापों से संबंधित किसी मामले पर प्राप्त

शिकायतों का अन्वेषण करना ;

- (घ) प्रतिभूति बाज़ार के हित में या विनिधानकर्ताओं के हित में ।
- (3) बोर्ड द्वारा उप-विनियम (1) के अधीन आदिष्ट निरीक्षण आम तौर से गुणागुणों पर नियत रेटिंगों की समुचितता की परीक्षा करने के लिए नहीं किए जाएँगे ।
- (4) रेटिंगों की समुचितता का निर्णय करने के लिए निरीक्षण बोर्ड द्वारा आदिष्ट किए जा सकेंगे, केवल उन शिकायतों के मामले में जो गंभीर स्वरूप की हैं ।
- (5) उप-विनियम (4) में निर्दिष्ट निरीक्षण या तो बोर्ड के अधिकारियों या सुसंगत अनुभव वाले स्वतंत्र विशेषज्ञों, द्वारा या दोनों के संयोजन से किए जाएँगे ।
- निरीक्षण या अन्वेषण के पूर्व सूचना 30. (1) विनियम 29 के अधीन निरीक्षण या अन्वेषण का आदेश देने के पूर्व, बोर्ड साख निर्धारण एजेंसी को उस प्रयोजन के लिए दस दिनों से अन्यून लिखित सूचना देगा ।
- (2) उप-विनियम (1) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, जहाँ बोर्ड का समाधान हो जाता है कि विनिधानकर्ताओं के हित में, कोई ऐसी सूचना नहीं दी जानी चाहिए, यह, लिखित आदेश द्वारा, निदेश दे सकेगा कि साख निर्धारण एजेंसी के कामकाज का निरीक्षण या अन्वेषण ऐसी सूचना के बिना

किया जाए ।

- (3) निरीक्षण या अन्वेषण के दौरान, साख निर्धारण एजेंसी जिसके विरुद्ध निरीक्षण या अन्वेषण किया जा रहा है विनियम 31 में यथा उपबंधित इसकी सभी बाध्यताओं का निर्वहन करने के लिए आबद्ध होगी ।
- बोर्ड द्वारा निरीक्षण या 31. (1) यह प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी अन्वेषण पर साख निर्धारण का जिसके कामकाज निरीक्षित या एजेंसी की बाध्यताएँ अन्वेषित किए जा रहे हैं, और उसके प्रत्येक निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी का कर्तव्य होगा, निरीक्षण या अन्वेषक अधिकारी को इसकी या उसकी अभिरक्षा या नियंत्रण में रखी ऐसी बहियों, लेख और अन्य दस्तावेज पेश करना और उसे इसके रेटिंग क्रियाकलापों संबंधी ऐसे विवरण और जानकारी देना, जैसा निरीक्षण अधिकारी ऐसी युक्तियुक्त कालावधि के भीतर अपेक्षित करे जो उक्त अधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए ।
- (2) साख निर्धारण एजेंसी -
- (क) निरीक्षण अधिकारी को ऐसी साख निर्धारण एजेंसी द्वारा या इसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभोगित परिसरों तक युक्तियुक्त पहुँच रखने की अनुज्ञा देगी ;
- (ख) निरीक्षण अधिकारी को साख निर्धारण एजेंसी के कब्जे में रखी

किन्हीं बहियों, अभिलेखों, दस्तावेजों और कम्प्यूटर आँकड़ों के परीक्षण के लिए युक्तियुक्त सुविधा देगी ; और

(ग) दस्तावेजों या अन्य सामग्री की प्रतियाँ उपलब्ध करायेगी जो, निरीक्षण अधिकारी की राय में, यथास्थिति, निरीक्षण या अन्वेषण के प्रयोजनों के लिए सुसंगत हैं ।

(3) निरीक्षण अधिकारी, निरीक्षण या अन्वेषण के दौरान, निरीक्षण या अन्वेषण से संबद्ध प्रयोजनों के लिए साख निर्धारण एजेंसी के किसी अधिकारी, निदेशक या कर्मचारी की परीक्षा करने, या कथन अभिलिखित करने का हकदार होगा ।

(4) साख निर्धारण एजेंसी का प्रत्येक निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी निरीक्षण अधिकारी को निरीक्षण या अन्वेषण के संबंध में पूरी सहायता देने के लिए आबद्ध होगा जिसकी निरीक्षण अधिकारी युक्तियुक्त रूप से अपेक्षा करे ।

**बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करना** 32.

निरीक्षण अधिकारी, यथासंभव शीघ्र, निरीक्षण या अन्वेषण के पूरा होने पर, बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।

परंतु यह कि यदि ऐसा करना बोर्ड द्वारा निदिष्ट है, वह अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकेगा ।

**साख निर्धारण एजेंसी को** 33. (1)

बोर्ड, विनियम 32 में निर्दिष्ट

**निष्कर्षों इत्यादि की संसूचना**

निरीक्षण रिपोर्ट या अंतरिम रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, निरीक्षण अधिकारी के निष्कर्ष साख निर्धारण एजेंसी को संसूचित करेगा और विषय में इसे सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

- (2) साख निर्धारण एजेंसी से स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, की प्राप्ति पर, बोर्ड साख निर्धारण एजेंसी से ऐसे उपाय करने की अपेक्षा कर सकेगा जो बोर्ड प्रतिभूति बाज़ार के हित में और अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों के सम्यक् अनुपालन के लिए ठीक समझे ।

**अध्याय VI****व्यतिक्रम की दशा में कार्रवाई के लिए प्रक्रिया**

व्यतिक्रम की दशा में कार्रवाई 34.  
के लिए दायित्व

- (1) साख निर्धारण एजेंसी जो :-

- (क) किसी शर्त जिसके अध्याधीन प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो का अनुपालन करने में असफल रहती है ; या

(ख) अधिनियम या इन विनियमों या अधिनियम के अधीन बनाए गए किसी अन्य विनियम के उपबंधों में से किसी का उल्लंघन करती है ; उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट शास्तियों में से किसी की दायी होगी ।

(2) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट शास्तियाँ :-

(क) रजिस्ट्रीकरण का निलंबन ; या

(ख) रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण  
हैं ।

रजिस्ट्रीकरण का निलंबन

35.

साख निर्धारण एजेंसी के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के निलंबन की शास्ति बोर्ड द्वारा अधिरोपित की जा सकेगी, यदि मामला विनियम 34 के उप-विनियम (1) के अधीन आता है ।



**रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण**

36.

(1)

साख निर्धारण एजेंसी के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के रद्दकरण की शास्ति बोर्ड द्वारा अधिरोपित की जा सकेगी, यदि :

(क)

साख निर्धारण एजेंसी कपट की दोषी है, या अपराध जिसमें नैतिक अधमता या आर्थिक अपराध अंतर्वलित है की सिद्धदोष ठहरायी गयी हो ; या

(ख)

विनियम 34 के उप-विनियम (1) में उल्लिखित स्वरूप के दुहराए गए व्यतिक्रमों के मामले में ; या

(ग)

साख निर्धारण एजेंसी दिवालिया या परिसमाप्त घोषित कर दी गई है ।

(2)

बोर्ड साख निर्धारण एजेंसी को रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण के लिए लिखित कारण देगा ।

**निलंबन और रद्दकरण का 37.  
आदेश देने की रीति**

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के निलंबन का या रद्दकरण का कोई आदेश, बोर्ड द्वारा पारित नहीं किया जाएगा, मिवाय विनियम 38 में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार जाँच करने के पश्चात् ।

परंतु यह कि ऐसी जाँच करना उन मामलों में आवश्यक नहीं होगा जहाँ :

(क) साख निर्धारण एजेंसी दिवालिया या परिसमाप्त घोषित कर दी गई है ; या

(ख) साख निर्धारण एजेंसी बोर्ड को इन विनियमों के अनुसार रजिस्ट्रीकरण फीस या नवीकरण फीस संदत्त करने में असफल रहती है ।

परंतु यह और कि सुनवाई का अवसर दिया जाएगा इसके पूर्व कि साख निर्धारण एजेंसी के विरुद्ध कोई कार्रवाई की जाए ।

निलंबन या रद्दकरण के पूर्व 38  
जाँच करने की रीति

(1) विनियम 37 के अधीन जाँच करने के प्रयोजन के लिए, बोर्ड एक या अधिक जाँच अधिकारी नियुक्त कर सकेगा ।

(2) जाँच अधिकारी साख निर्धारण एजेंसी को साख निर्धारण एजेंसी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय या कारबार के मुख्य स्थान पर, उन आधारों को उपवर्णित करते हुए जिन पर इसके विरुद्ध कार्रवाई किया जाना प्रस्तावित है और इससे ऐसी सूचना की प्राप्ति की तारीख से चौदह दिनों की कालावधि के भीतर ऐसी कार्रवाई के विरुद्ध कारण बताने की अपेक्षा करते हुए सूचना जारी करेगा ।

(3) साख निर्धारण एजेंसी, ऐसी सूचना की प्राप्ति की तारीख से चौदह दिनों के भीतर, जाँच अधिकारी को लिखित उत्तर, इसके द्वारा निर्भर या बोर्ड द्वारा साख निर्धारण एजेंसी से ईप्सित

दस्तावेजी या अन्य साक्ष्य की प्रतियों के साथ दे सकेगी ।

- (4) जाँच अधिकारी साख निर्धारण एजेंसी को, उप-विनियम (3) के अधीन दिये गये इसके उत्तर के समर्थन में इसका प्रस्तुतीकरण करने में समर्थ बनाने के लिए इसे सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

- (5) जाँच अधिकारी के समक्ष, साख निर्धारण एजेंसी या तो वैयक्तिक रूप में या इसकी ओर से सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति की माफ़्त हाजिर हो सकेगी ।

परंतु यह कि कोई वकील या अधिवक्ता जाँच में साख निर्धारण एजेंसी का प्रतिनिधित्व करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा ;

परंतु यह और कि जहाँ वकील या अधिवक्ता बोर्ड द्वारा उप-विनियम (6) के अधीन प्रस्तुतकर्ता अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया हो, साख निर्धारण एजेंसी के लिए उसका मामला वकील या अधिवक्ता की माफ़्त प्रस्तुत करना विधिपूर्ण होगा ।

- (6) यदि यह आवश्यक माना जाता है, जाँच अधिकारी बोर्ड से इसका मामला प्रस्तुत करने के लिए प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नियुक्त करने का निवेदन कर सकेगा ।

- (7) जाँच अधिकारी, सभी सुसंगत

तथ्यों और साख निर्धारण एजेंसी द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरणों पर विचार करने के पश्चात्, बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा और शास्ति, यदि कोई साख निर्धारण एजेंसी पर अधिरोपित की जानी हो साथ ही आधारों जिनके आधार पर प्रस्तावित शास्ति न्यायानुमत है की सिफारिश करेगा ।

कारण बताओ सूचना और 39. (1)  
आदेश

जाँच अधिकारी से रिपोर्ट की प्राप्ति पर, बोर्ड उस पर विचार करेगा और साख निर्धारण एजेंसी को कारण बताओ सूचना जारी करेगा, कि जाँच अधिकारी द्वारा यथा प्रस्तावित शास्ति क्यों अधिरोपित नहीं की जानी चाहिए।

(2) साख निर्धारण एजेंसी, कारण बताओ सूचना की प्राप्ति की तारीख के चौदह दिनों के भीतर, बोर्ड को उत्तर भेजेगी ।

(3) बोर्ड, साख निर्धारण एजेंसी के कारण बताओ सूचना के उत्तर पर विचार करने के पश्चात्, यथासंभव शीघ्र ऐसा आदेश पारित करेगा जो यह ठीक समझे।

(4) बोर्ड द्वारा उप-विनियम (3) के अधीन पारित प्रत्येक आदेश स्वतः पूर्ण होगा और उसमें कथित निष्कर्षों के लिए कारण देगा, जिनके अन्तर्गत शास्ति यदि कोई उस आदेश द्वारा अधिरोपित हो का न्यायोचित्य है ।

- (5) बोर्ड साख निर्धारण एजेंसी को उप-विनियम (3) के अधीन पारित आदेश की एक प्रति भेजेगा ।
- साख निर्धारण एजेंसी के 40. (1) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के निलंबन की तारीख को और से, साख निर्धारण एजेंसी निलंबन की कालावधि के दौरान कोई रेटिंग क्रियाकलाप करना बंद कर देगी और किन्हीं अभिलेखों, दस्तावेजों प्रतिभूतियों या रिपोर्टों जो इसके रेटिंग क्रियाकलापों से संबद्ध हों के विषय में बोर्ड के ऐसे निदेशों के अध्वधीन होगी, जो बोर्ड विनिर्दिष्ट कर सकेगा ।
- (2) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के रद्दकरण की तारीख को और से, साख निर्धारण एजेंसी :-
- (क) कोई रेटिंग क्रियाकलाप करना बंद कर देगी और
- (ख) इसके रेटिंग क्रियाकलापों से संबद्ध अभिलेखों, दस्तावेजों, प्रतिभूतियों या रिपोर्टों जो इसकी अभिरक्षा या नियंत्रण में हों के अंतरण के विषय में बोर्ड के ऐसे निदेशों के अध्वधीन होगी जो बोर्ड विनिर्दिष्ट कर सकेगा ।
- (3) साख निर्धारण एजेंसी के प्रमाणपत्र के निलंबन या रद्दकरण के होने पर भी, यदि बोर्ड का समाधान हो जाता है कि ऐसी अनुज्ञा प्रदान करना विनिधानकर्ताओं के हित में है, बोर्ड साख निर्धारण एजेंसी को

- ऐसे निलंबन या रद्दकरण के पूर्व जिम्मे लिए हुए, इसके कर्तव्यभारों संबंधी ऐसे क्रियाकलाप करने की अनुज्ञा प्रदान कर सकेगा, जैसे बोर्ड विनिर्दिष्ट करे ।
- निलंबन या रद्दकरण के आदेश 41. का प्रकाशन
- विनियम 39 के उप-विनियम (3) के अधीन पारित, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के निलंबन या रद्दकरण का आदेश, बोर्ड द्वारा कम से कम दो दैनिक समाचारपत्रों में प्रकाशित किया जाएगा ।
- केंद्रीय सरकार को अपील 42.
- इन विनियमों के अधीन बोर्ड के आदेश द्वारा व्यथित कोई व्यक्ति ;
- (क) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र निलंबित करने ; या
- (ख) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र रद्द करने,
- केंद्रीय सरकार को ऐसे आदेश के विरुद्ध अपील कर सकेगा, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (केंद्रीय सरकार को अपील) नियम, 1993 के अनुसार ।

[ फा. सं. भाप्रविबो/विधि/17/13693/99 ]

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष

भ

प्रथम अनुसूची  
प्ररूप क

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
(साख निर्धारण एजेंसियाँ) विनियम, 1999  
[ विनियम 3 (3) ]

प्रमाणपत्र / प्रमाणपत्र का नवीकरण प्रदान  
करने के लिए आवेदन

आवेदक का नाम

---

संपर्क हेतु नाम :

दूरभाष संख्या :

फैक्स संख्या:

प्ररूप दाखिल करने के लिए अनुदेश :-

1. आवेदकों को सम्यक् रूप में संपूर्ण आवेदन प्ररूप अनिवार्यतः समुचित समर्थक दस्तावेजों के साथ बोर्ड को प्रस्तुत करना चाहिये । समर्थक दस्तावेज नोटरी पब्लिक द्वारा सत्य रूप में अनुप्रमाणित होने चाहिये ।
2. यह आवेदन प्ररूप विनियमों के अनुसार दाखिल किया जाना चाहिए।
3. रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर केवल तभी विचार किया जायेगा, यदि यह सभी प्रकार से पूर्ण हो।
4. सभी उत्तर अनिवार्यतः टंकित होने चाहिये ।
5. जिस जानकारी की पूर्ति अधिक विस्तारपूर्वक दिए जाने की आवश्यकता है, पृथक् पन्नों पर दी जा सकेगी जिन्हें आवेदन प्ररूप से संलग्न किया जाना चाहिए।
6. आवेदन पर सभी हस्ताक्षर मूल होने चाहिये ।
7. प्ररूप के प्रत्येक पृष्ठ साथ ही प्रत्येक अतिरिक्त पन्ना आवेदक के प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता द्वारा आद्यक्षरित होना चाहिए ।

## 1.0 आवेदक की विशिष्टियाँ

- 1.1 नाम, रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, पत्राचार के लिए पता, दूरभाष संख्या (एँ), फैक्स संख्या(एँ) और कंपनी के संपर्क व्यक्ति का नाम । शाखा कार्यालय, यदि कोई हों, का पता ।
- 1.2 आवेदक कंपनी के निगमन की तारीख (निगमन प्रमाणपत्र और संगम ज्ञापन तथा अनुच्छेद संलग्न करें) । निम्नलिखित विनिर्दिष्ट करें :

(क) आवेदक कंपनी के उद्देश्य (मुख्य एवं अनुषंगी)  
(ख) प्राधिकृत, निर्गमित, अभिदत्त और समादत्त पूँजी

- 1.3 प्रवर्ग जिसमें आवेदक संबंध रखता है :

(क) परिसीमित कंपनी — प्राइवेट / पब्लिक  
(ख) अपरिसीमित कंपनी

यदि सूचीबद्ध है, तो स्टॉक एक्सचेंजों के नाम और अंतिम शेयर कीमत दी जानी है ।

- 1.4 प्रवर्ग जिससे आवेदक कंपनी संबंध रखती है (विनियम 3 निर्दिष्ट करें)

(क) पहले ही से रेटिंग क्रियाकलाप करने के कारबार में लगी कंपनी  
(ख) रेटिंग क्रियाकलाप करने के लिए पहली बार प्रस्ताव करनेवाली कंपनी

## 2.0 पात्रता मानदंड

- 2.1 प्रवर्ग जिससे आवेदक कंपनी का (के) संप्रवर्तक संबंध रखता है (रखते हैं) (विनियम 4 निर्दिष्ट करें) ।
- 2.2 संप्रवर्तकों के नाम दें और कंपनी में उनकी शेयरधारिता उपदर्शित करें।
- 2.3 पाँच वर्षों के लिए निरंतर 100 करोड़ रुपये का शुद्ध मूल्य प्रमाणित करते हुए सनदी लेखाकार का प्रमाणपत्र संलग्न करें, यदि संप्रवर्तक विनियम 4(ड) में निर्दिष्ट है ।
- 2.4 आवेदन की तारीख से तीन मास से अपूर्वतर अंतिम संपरीक्षित लेखों के अनुसार कंपनी का शुद्ध मूल्य (विनियम 5(ग) निर्दिष्ट करें)। उसे प्रमाणित करते हुए सनदी लेखाकार का प्रमाणपत्र संलग्न करें।

## 3.0 निदेशकों / मूल कार्मिक की विशिष्टियाँ



3.1 कंपनी के निदेशकों की विशिष्टियाँ, जिनके अन्तर्गत नाम, अर्हता, अनुभव, कंपनी में शेयरधारिता और अन्य कंपनियों में निदेशक पद होंगे।

3.2 कंपनी के मूल कार्मिक की विशिष्टियाँ, जिनके अन्तर्गत नाम, कंपनी में पदनाम, अर्हता, धारित पूर्ववर्ती पद, अनुभव, कंपनी में नियुक्ति की तारीख और कार्यात्मक क्षेत्र होंगे।

#### 4.0 अवसंरचना

4.1 अवसंरचना के ब्यौरे जिनके अन्तर्गत कंपनी के पास उपलब्ध संगणना सुविधाएँ, अनुसंधान के लिए सुविधाएँ और आधारभूत आँकड़े हैं और क्या कंपनी द्वारा किये जाने के लिए प्रस्तावित रेटिंग क्रियाकलाप करने के लिए विद्यमान अवसंरचना पर्याप्त है ? अतिरिक्त / उन्नत अवसंरचना के लिए कोई अगली योजना उपदर्शित की जानी है।

#### 5.0 प्रमुख शेयरधारक

5.1 प्रमुख शेयरधारकों की सूची (आवेदक की प्रत्यक्षतः या सहयुक्तों के साथ 5% या अधिक धारिता)

को शेयरधारिता

शेयरधारक का नाम	धारित शेयरों की संख्या	कंपनी की कुल समावृत्त पूँजी की %ता

#### 6.0 सहयुक्त समुत्थान

6.1 सहयुक्त कंपनियों / समुत्थानों की विशिष्टियाँ जिनके अन्तर्गत नाम, पता, प्रबंध किये जानेवाले क्रियाकलाप का प्रकार, सहयुक्त में आवेदक कंपनी के हित का स्वरूप, सहयुक्त में आवेदक के संप्रवर्तक (कों) के हित का स्वरूप होंगे।

6.2 क्या बोर्ड ने आवेदक के किसी सहयुक्त को साख निर्धारण एजेंसी के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रदान / नामंजूर किया है। आवेदन की तारीख, नामंजूरी / रजिस्ट्रीकरण की तारीख, नामंजूरी के लिए कारण इत्यादि जैसे ब्यौरे दें।

#### 7.0 कंपनी की कारबार जानकारी

7.1 इतिवृत्त, मुख्य घटनाएँ और वर्तमान क्रियाकलाप। साख निर्धारण क्रियाकलापों और अन्य संबद्ध क्रियाकलापों में अनुभव के ब्यौरे।

7.2 यदि कंपनी पहली बार साख निर्धारण क्रियाकलापों में लगने का प्रस्ताव कर रही है तो क्रियाकलापों के प्रक्षिप्त परिमाण और आय के साथ कंपनी की कारबार योजना जिसके लिए रजिस्ट्रीकरण की माँग की गयी है विनिर्दिष्ट रूप से दी जानी है ।

7.3 नीचे सारणी के अनुसार पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रबंधित प्रतिभूति रेटिंग क्रियाकलाप :

ग्राहक का नाम	प्रतिभूति प्रकार	का निर्गम आकार	का निर्गम वर्ष	रेटिंग की गयी प्रतिभूति	सूचीबद्ध / असूचीबद्ध
					लिखत

7.4 पिछले तीन वर्षों के दौरान किये गये अन्य रेटिंग क्रियाकलापों के ब्यौरे :

7.5 आवेदक द्वारा दी गयी सेवाओं के स्वरूप से सुसंगत मानी गयी अन्य कोई जानकारी :

8.0 आवेदक के बारे में वित्तीय जानकारी

8.1 शुद्ध मूल्य

(लाख रु में)

मदें	चालू वर्ष के पूर्ववर्ती वर्ष से पहले का वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष	चालू वर्ष
(क) समादत्त पूँजी			
(ख) खुली आरक्षितियाँ (पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों को अपवर्जित करते हुए)			
कुल (क) + (ख)			
(ग) संचित हानियाँ			
(घ) बट्टे खाते में न डाला गया आस्थगित राजस्व व्यय			
शुद्ध मूल्य (क) + (ख) - (ग) - (घ)			

8.2 कृपया पिछले तीन वर्षों के लिए संपरीक्षित वार्षिक लेखे संलग्न करें। जहाँ असंपरीक्षित रिपोर्टें प्रस्तुत की गयी हैं, वहाँ कारण दें। यदि न्यूनतम शुद्ध मूल्य अपेक्षा अंतिम संपरीक्षित लेखों के पश्चात् पूरी कर ली गयी हो, तो पश्चात्पूर्वी तारीख के लेखा विवरण भी प्रस्तुत किये जायें ।

8.3 आवेदक कंपनी के प्रधान बैंककारों के नाम और पते

8.4 लेखापरीक्षकों के नाम और पते

9.0 अन्य जानकारी

9.1 आवेदक कंपनी, निदेशकों और कर्मचारियों के विरुद्ध लंबित सभी मुकदमों के ब्यौरे:

विवाद का स्वरूप

पक्षकार का नाम

प्रास्थिति

9.2 अंतिम तीन वर्षों में आवेदक या इसके निदेशकों में से कोई, या मूल प्रबंधकार व्यक्ति द्वारा किसी कपट या आर्थिक अपराधों में अभ्यारोपण या अंतर्वलन ।

10.0 घोषणा

दो निदेशकों द्वारा हस्ताक्षरित निम्नलिखित घोषणाएँ दें :

मैं/हम एतद्द्वारा रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं ।

मैं/हम वारंटी देता हूँ/देते हैं कि मैंने/हमने उपर्युक्त प्रश्नों के सत्यता से और पूर्ण रूप से उत्तर दिये हैं और वह समस्त जानकारी उपलब्ध करायी है जो मेरे रजिस्ट्रीकरण के प्रयोजनों के लिए युक्तियुक्त रूप से सुसंगत मानी जा सकेगी ।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि आवेदन प्ररूप में दी गयी जानकारी पूरी और सही है ।

के लिए और की ओर से

(आवेदक का नाम)

निदेशक

निदेशक

स्पष्ट अक्षरों में नाम

स्पष्ट अक्षरों में नाम

तारीख

तारीख

प्ररूप ख

**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
(साख निर्धारण एजेंसियाँ) विनियम, 1999**

[ विनियम 8 (1) ]

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

- I. बोर्ड भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, के अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के साथ पठित उस अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए \_\_\_\_\_ को साख निर्धारण एजेंसी के क्रियाकलाप करने के लिए विनियमों में शर्तों के अनुसार और के अध्याधीन साख निर्धारण एजेंसी के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र एतद्द्वारा प्रदान करता है :-
- II. साख निर्धारण एजेंसी के लिए रजिस्ट्रीकरण कोड सा नि ए /        /        है ।
- III. यह प्रमाणपत्र \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ तक विधिमान्य होगा और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसियाँ) विनियम, 1999 के विनियम 10 में विनिर्दिष्ट प्रकार से नवीकृत किया जा सकेगा ।

स्थान :

तारीख :

आदेश द्वारा

ह/-

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
के लिए और की ओर से

दूसरी अनुसूची

**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
(साख निर्धारण एजेंसियाँ) विनियम, 1999**

[ विनियम 3(3), 8(2), 10(3) ]

फीसभाग क

फीस के रूप में संदत्त की जाने वाली रकम

आवेदन फीस (रु.)	25,000/-
प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए रजिस्ट्रीकरण फीस (रु.)	5,00,000/-
नवीकरण फीस (रु.)	3,00,000/-

भाग ख

1. ऊपर विनिर्दिष्ट फीस “भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड” के पक्ष में, मुंबई में संदेय बैंक ड्राफ्ट के रूप में संदत्त की जायेगी ।

**तीसरी अनुसूची**  
**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड**  
**साख निर्धारण एजेंसियों के लिए आधार संहिता**  
**(विनियम 13)**

- (1) साख निर्धारण एजेंसी इसके कारबार संचालन में इसके ग्राहकों के साथ इसके सभी व्योहारों में सत्यनिष्ठा और औचित्य के उच्च मानकों का पालन करेगी ।
- (2) साख निर्धारण एजेंसी नैतिक रीति से इसकी बाध्यताएँ पूरी करेगी ।
- (3) साख निर्धारण एजेंसी सभी समयों पर उच्च स्तर की सेवाएँ प्रदान करेगी, सम्यक् तत्परता बरतेगी, उपयुक्त देखरेख सुनिश्चित करेगी और स्वतंत्र वृत्तिक निर्णय का प्रयोग करेगी। यह जहाँ आवश्यक हो, वहाँ ग्राहकों को निष्पक्ष सेवाएँ उपलब्ध कराते समय, कर्तव्यों और हितों के विरोध के संभव स्रोत प्रकट करेगी ।
- (4) साख निर्धारण एजेंसी रेटिंग विश्लेषण में भाग लेने वाली इसकी रेटिंग समिति के किसी सदस्य के हित के किसी विरोध से बचेगी । हित का कोई संभाव्य विरोध ग्राहक को प्रकट किया जायेगा ।
- (5) साख निर्धारण एजेंसी अक्रजु प्रतियोगिता में लिप्त नहीं होगी न ही वे उच्चतर रेटिंग के आश्वासन पर किसी अन्य साख निर्धारण एजेंसी के ग्राहक छीनेंगी ।
- (6) साख निर्धारण एजेंसी, ग्राहक को या तो इसकी अर्हता या कतिपय सेवाएँ देने में इसके सामर्थ्य या अन्य ग्राहकों को दी गयी सेवाओं के विषय में इसकी उपलब्धियों के बारे में बड़ा चढ़ा कर कोई कथन, चाहे मौखिक या लिखित, नहीं करेगी ।
- (7) साख निर्धारण एजेंसी सदैव यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करेगी कि सभी वृत्तिक व्योहार तत्परता से और दक्षतापूर्ण रीति से किये जाते हैं ।
- (8) साख निर्धारण एजेंसी, रेटिंग की गयी कंपनी के संबंधित व्यक्ति / ग्राहक को प्रकटीकरण किये बिना, अन्य ग्राहकों, प्रेस या किसी अन्य पक्षकार को इसके ग्राहक के बारे में ऐसी गोपनीय सूचना, जो इसकी जानकारी में आए, प्रकट नहीं करेगी ।
- (9) साख निर्धारण एजेंसी बोर्ड को या जनता को या स्टॉक एक्सचेंज को दिये गये किन्हीं दस्तावेजों, कागज-पत्रों, रिपोर्टों, या जानकारी में कोई असत्य कथन नहीं करेगी या कोई तात्त्विक तथ्य नहीं छिपायेगी ।
- (10) साख निर्धारण एजेंसी इसके द्वारा रेटिंग की गयी प्रतिभूतियों के निर्गम की बाबत साधारणतः या विशिष्टतः :-
  - (क) मिथ्या बाज़ार का सृजन करने में ;
  - (ख) दलालों, स्टॉक एक्सचेंजों के सदस्यों, पूँजी बाजार में अन्य प्रतिभागियों को या किसी अन्य व्यक्ति को कीमत संवेदनशील जानकारी देने में या ऐसी कोई अन्य कार्रवाई जो निवेशकों के लिए अनैतिक या अक्रजु हो करने में पक्षकार नहीं होगी ।

- (11) साख निर्धारण एजेंसी इसके साख निर्धारण क्रियाकलाप और किसी अन्य क्रियाकलाप के बीच परस्पर दूरी का संबंध बनाये रखेगी ।
- (12) साख निर्धारण एजेंसी अधिनियम, विनियमों के उपबंधों और उन परिपत्रों का पालन करेगी और जो साख निर्धारण एजेंसी द्वारा किये गये क्रियाकलापों को लागू और से सुसंगत हों ।

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**

**NOTIFICATION**

Mumbai, the 7th July, 1999

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA  
(CREDIT RATING AGENCIES) REGULATIONS, 1999**

S.O. 547(E).—In exercise of the powers conferred by section 30 read with section 11 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Securities and Exchange Board of India hereby makes the following regulations, namely:-

**CHAPTER I  
PRELIMINARY**

***Short title and commencement***

1. (1) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Credit Rating Agencies) Regulations, 1999.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

***Definitions***

2. (1) In these regulations, unless the context otherwise requires, -
  - (a) “Act” means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);

(b) “**associate**”, in relation to a credit rating agency, includes a person –

- i) who, directly or indirectly, by himself, or in combination with relatives, owns or controls shares carrying not less than ten percent of the voting rights of the credit rating agency, or.
- ii) in respect of whom the credit rating agency, directly or indirectly, by itself, or in combination with other persons, owns or controls shares carrying not less than ten percent of the voting rights, or
- iii) majority of the directors of which, own or control shares carrying not less than ten percent of the voting rights of the credit rating agency, or
- iv) whose director, officer or employee is also a director, officer or employee of the credit rating agency;

c) “**Board**” means the Board as defined in clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the Act;

d) “**body corporate**” means a body corporate as defined in clause (7) of section 2 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

e) “**certificate**” means a certificate of registration granted or renewed by the Board under these regulations;

f) “**client**” means any person whose securities are rated by a credit rating agency;

**g) “company”** means a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

**h) “credit rating agency”** means a body corporate which is engaged in, or proposes to be engaged in, the business of rating of securities offered by way of public or rights issue;

**i) “economic offence”** means an offence to which the Economic Offences (Inapplicability of Limitation) Act, 1974 (12 of 1974), is applicable for the time being;

**j) “enquiry officer”** means any officer of the Board, or any other person, who is authorised by the Board under regulation 38;

**k) “form”** means any of the forms specified in the First Schedule;

**l) “fraud”** has the same meaning as is assigned to it by section 17 of the Indian Contract Act, 1872 (9 of 1872);

**m) “group companies”** means group companies as defined in the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969);

**n) “inspecting officer”** means any one or more persons appointed by the Board under regulation 29;

**o) “issuer”** means a person whose securities are proposed to be rated by a credit rating agency;



p) **“net-worth”** means the aggregate value of the paid up equity capital and free reserves (excluding reserves created out of revaluation), reduced by the aggregate value of accumulated losses and deferred expenditure not written off, including miscellaneous expenses not written off;

q) **“rating”** means an opinion regarding securities, expressed in the form of standard symbols or in any other standardised manner, assigned by a credit rating agency and used by the issuer of such securities, to comply with a requirement specified by these regulations;

r) **“rating committee”** means a committee constituted by a credit rating agency to assign rating to a security;

s) **“regulation”** means a regulation forming part of these regulations;

t) **“relative”** means a relative as defined in section 6 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

u) **“schedule”** means any of the schedules appended to these regulations; and

v) **“securities”** has the meaning assigned to it in clause (h) of section 2 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956.

- (2) Words and expressions used and not defined in these regulations, but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

## CHAPTER II

### REGISTRATION OF CREDIT RATING AGENCIES

#### ***Application for grant of certificate***

3. (1) Any person proposing to commence any activity as a credit rating agency on or after the date of commencement of these regulations shall make an application to the Board for the grant of a certificate of registration for the purpose.
- (2) Any person, who was immediately before the said date carrying on any activity as a credit rating agency, shall make an application to the Board for the grant of a certificate within a period of three months from such date:
- Provided** that the Board may, where it is of the opinion that it is necessary to do so, for reasons to be recorded in writing, extend the said period upto a maximum of six months from such date.
- (3) An application for the grant of a certificate under sub-regulation (1) or sub-regulation (2) shall be made to the Board in Form A of the First Schedule and shall be accompanied by a non-refundable application fee, as specified in Part A of the second schedule, to be paid in the manner specified in Part B thereof.
- (4) Any person referred to in sub-regulation (2) who fails to make an application for the grant of a certificate within the period specified in that sub-regulation shall cease to carry on rating activity.

***Promoter of credit rating agency***

4. The Board shall not consider an application under regulation 3 unless the applicant is promoted by a person belonging to any of the following categories, namely:

- (a) a public financial institution, as defined in section 4 A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (b) a scheduled commercial bank included for the time being in the second schedule to the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
- (c) a foreign bank operating in India with the approval of the Reserve Bank of India;
- (d) a foreign credit rating agency recognised by or under any law for the time being in force in the country of its incorporation, having at least five years experience in rating securities;
- (e) any company or a body corporate, having continuous net worth of minimum rupees one hundred crores as per its audited annual accounts for the previous five years prior to filing of the application with the Board for the grant of certificate under these regulations.

***Eligibility criteria***

5. The Board shall not consider an application for the grant of a certificate under regulation 3, unless the applicant satisfies the following conditions, namely:

- a) the applicant is set up and registered as a company under the Companies Act, 1956;
- b) the applicant has, in its Memorandum of Association, specified rating activity as one of its main objects;
- c) the applicant has a minimum net worth of rupees five crores.

Provided that a credit rating agency existing at the commencement of these regulations, with a net worth of less than rupees five crores, shall be deemed to have satisfied this condition, if it increases its net worth to the said minimum within a period of three years of such commencement.

- (d) the applicant has adequate infrastructure, to enable it to provide rating services in accordance with the provisions of the Act and these regulations;
- (e) the applicant and the promoters of the applicant, referred to in regulation 4 have professional competence, financial soundness and general reputation of fairness and integrity in business transactions, to the satisfaction of the Board;
- (f) neither the applicant, nor its promoter, nor any director of the applicant or its promoter, is involved in any legal proceeding connected with the securities market, which may have an adverse impact on the interests of the investors;
- (g) neither the applicant, nor its promoters, nor any director, of its promoter has at any time in the past been convicted of any offence involving moral turpitude or any economic offence;

- (h) the applicant has, in its employment, persons having adequate professional and other relevant experience to the satisfaction of the Board;
- (i) neither the applicant, nor any person directly or indirectly connected with the applicant has in the past been –
  - (i) refused by the Board a certificate under these regulations or
  - (ii) subjected to any proceedings for a contravention of the Act or of any rules or regulations made under the Act.

***Explanation:***

For the purpose of this clause, the expression “directly or indirectly connected person” means any person who is an associate, subsidiary, inter-connected or group company of the applicant or a company under the same management as the applicant.

- (j) the applicant, in all other respects, is a fit and proper person for the grant of a certificate;
- (k) grant of certificate to the applicant is in the interest of investors and the securities market.

**Application to conform to the requirements**

6. Any application for a certificate, which is not complete in all respects or does not conform to the requirement of regulation 5 or instructions specified in Form A shall be rejected by the Board:

Provided that, before rejecting any such application, the applicant shall be given an opportunity to remove, within thirty days of the date of receipt of relevant communication, from the Board such objections as may be indicated by the Board.

Provided further, that the Board may, on sufficient reason being shown, extend the time for removal of objections by such further time, not exceeding thirty days, as the Board may consider fit to enable the applicant to remove such objections.

***Furnishing of information, clarification and personal representation***

- 7.(1) The Board may require the applicant to furnish such further information or clarification as the Board may consider necessary, for the purpose of processing of the application.
- (2) The Board, if it so desires, may ask the applicant or its authorised representative to appear before the Board, for personal representation in connection with the grant of a certificate.

***Grant of Certificate***

8. (1) The Board, on being satisfied that the applicant is eligible for the grant of a certificate of registration, shall grant a certificate in Form 'B'.
- (2) The grant of certificate of registration shall be subject to the payment of the registration fee specified in Part A of the Second Schedule, in the manner prescribed in Part B thereof.

***Conditions of certificate and validity period***

9.(1) The certificate granted under regulation 8 shall be, subject to the following conditions, namely:

(a) the credit rating agency shall comply with the provisions of the Act, the regulations made thereunder and the guidelines, directives, circulars and instructions issued by the Board from time to time on the subject of credit rating.

(b) (1) where any information or particulars furnished to the Board by a credit rating agency:

(i) is found to be false or misleading in any material particular; or

(ii) has undergone change subsequently to its furnishing at the time of the application for a certificate;

the credit rating agency shall forthwith inform the Board in writing.

(2) the period of validity of certificate of registration shall be three years.

***Renewal of certificate***

10. (1) A credit rating agency, if it desires renewal of the certificate granted to it, shall make to the Board an application for the renewal of the certificate of registration.

- (2) Such application shall be made not less than three months before expiry of the period of validity of the certificate, specified in sub-regulation (2) of regulation 9.
- (3) The application for renewal made under sub-regulation (1) –
  - (a) shall be accompanied by a renewal fee as specified in the second schedule and
  - (b) as far as may be, shall be dealt with in the same manner as if it were an application for the grant of a fresh certificate under regulation 3.

***Procedure where certificate is not granted***

- 11.(1) If, after considering an application made under regulation 3 or regulation 10 as the case may be, the Board is of the opinion that a certificate should not be granted or renewed, as the case may be, it may, after giving the applicant a reasonable opportunity of being heard, reject the application.
- (2) The decision of the Board, not to grant or not to renew the certificate under sub-regulation (1), shall be communicated by the Board to the applicant within a period of thirty days of such decision, stating the grounds of the decision.
- (3) Any applicant aggrieved by the decision of the Board rejecting his application under sub-regulation (1) may, within a period of thirty days from the date of receipt by him of the communication referred to in sub-regulation (2), apply to the Board in writing for re-consideration of such decision.



- (4) Where an application for re-consideration is made under sub-regulation (3), the Board shall consider the application and communicate to the applicant its decision in writing, as soon as may be.

***Effect of refusal to grant certificate***

- 12.(1) An applicant referred to in sub-regulation (1) of regulation 11 whose application for the grant of a certificate has been rejected under regulation 11, shall not undertake any rating activity.

- (2) An applicant referred to in sub-regulation (2) of regulation 3, whose application for the grant of a certificate has been rejected by the Board under regulation 11, shall, on and from the date of the receipt of the communication under sub-regulation (2) of regulation 11, cease to carry on any rating activity.

- (3) If the Board is satisfied that it is in the interest of the investors, it may permit the credit rating agency referred to under sub-regulation (1) or (2) to complete the rating assignments already entered into by it, during the pendency of the application or period of validity of the certificate.

- (4) The Board may, in order to protect the interests of investors, issue directions with regard to the transfer of records, documents or reports relating to the activities of a credit rating agency, whose application for the grant or renewal of a certificate has been rejected.

- (5) The Board may, in order to protect the interests of investors, appoint any person to take charge of the records, documents or reports relating to the rating activities of a credit rating agency referred to in sub-regulation (4) and for this purpose also determine the terms and conditions of such appointment.

**CHAPTER – III****GENERAL OBLIGATIONS OF CREDIT RATING AGENCIES*****Code of Conduct***

13. Every credit rating agency shall abide by the Code of Conduct contained in the Third Schedule.

***Agreement with the client***

14. Every credit rating agency shall enter into a written agreement with each client whose securities it proposes to rate, and every such agreement shall include the following provisions, namely:-

- (a) the rights and liabilities of each party in respect of the rating of securities shall be defined;
- (b) the fee to be charged by the credit rating agency shall be specified;
- (c) the client shall agree to a periodic review of the rating by the credit rating agency during the tenure of the rated instrument;
- (d) the client shall agree to co-operate with the credit rating agency in order to enable the latter to arrive at, and maintain, a true and accurate rating of the clients securities and shall in particular provide to the latter, true, adequate and timely information for the purpose.
- (e) the credit rating agency shall disclose to the client the rating assigned to the securities of the latter through regular methods of dissemination, irrespective of whether the rating is or is not accepted by the client;

- (f) The client shall agree to disclose, in the offer document;-
- (i) the rating assigned to the client's listed securities by any credit rating agency during the last three years and
  - (ii) any rating given in respect of the client's securities by any other credit rating agency, which has not been accepted by the client.
- (g) the client shall agree to obtain a rating from at least two different rating agencies for any issue of debt securities whose size is equal to or exceeds, rupees one hundred crores.

***Monitoring of ratings***

- 15.(1) Every credit rating agency shall, during the lifetime of securities rated by it continuously monitor the rating of such securities.
- (2) Every credit rating agency shall disseminate information regarding newly assigned ratings, and changes in earlier rating promptly through press releases and websites, and, in the case of securities issued by listed companies, such information shall also be provided simultaneously to the concerned regional stock exchange and to all the stock exchanges where the said securities are listed.

***Procedure for review of rating***

- 16.(1) Every credit rating agency shall carry out periodic reviews of all published ratings during the lifetime of the securities.
- (2) If the client does not co-operate with the credit rating agency so as to enable the credit rating agency to comply with its

obligations under regulation 15 of this regulation, the credit rating agency shall carry out the review on the basis of the best available information.

Provided that if owing to such lack of co-operation, a rating has been based on the best available information, the credit rating agency shall disclose to the investors the fact that the rating is so based.

- (3) A credit rating agency shall not withdraw a rating so long as the obligations under the security rated by it are outstanding, except where the company whose security is rated is wound up or merged or amalgamated with another company.

***Internal procedures to be framed***

17. Every credit rating agency shall frame appropriate procedures and systems for monitoring the trading of securities by its employees in the securities of its clients, in order to prevent contravention of –

(a) the Securities and Exchange Board of India (Insider Trading) Regulations, 1992;

(b) the Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Fraudulent and Unfair Trade Practices relating to the Securities Market) Regulations, 1995; and

(c) other laws relevant to trading of securities.

***Disclosure of Rating Definitions and Rationale***

- 18.(1) Every credit rating agency –
- (a) shall make public the definitions of the concerned rating, along with the symbol and,
  - (b) shall also state that the ratings do not constitute recommendations to buy, hold or sell any securities
- (2) Every credit rating agency shall make available to the general public information relating to the rationale of the ratings, which shall cover an analysis of the various factors justifying a favourable assessment, as well as factors constituting a risk.

***Submission of information to the Board***

- 19.(1) Where any information is called for by the Board from a credit rating agency for the purposes of these regulations, including any report relating to its activities, the credit rating agency shall furnish such information to the Board –
- (a) within a period specified by the Board or
  - (b) if no such period is specified, then within a reasonable time.
- (2) Every credit rating agency shall, at the close of each accounting period, furnish to the Board copies of its balance sheet and profit and loss account.

***Compliance with circulars etc., issued by the Board***

20. Every credit rating agency shall comply with such guidelines, directives, circulars and instructions as may be issued by the Board from time to time, on the subject of credit rating.

***Maintenance of Books of Accounts records, etc.***

21. Every credit rating agency shall keep and maintain, for a minimum period of five years, the following books of accounts, records and documents, namely:

- (a) copy of its balance sheet, as on the end of each accounting period;
- (b) a copy\*of its profit and loss account for each accounting period;
- (c) a copy of the auditor's report on its accounts for each accounting period.
- (d) a copy of the agreement entered into, with each client;
- (e) information supplied by each of the clients;
- (f) correspondence with each client;
- (g) ratings assigned to various securities including upgradation and down gradation (if any) of the ratings so assigned.
- (h) rating notes considered by the rating committee;
- (i) record of decisions of the rating committee;
- (j) letter assigning rating.
- (k) particulars of fees charged for rating and such other records as the Board may specify from time to time.

- (2) Every credit rating agency shall intimate to the Board the place where the books of account, records and documents required to be maintained under these regulations are being maintained.

***Steps on auditor's report***

22. Every credit rating agency shall, within two month's from the date of the auditor's report, take steps to rectify the deficiencies if any, made out in the auditor's report, insofar as they relate to the activity of rating of securities.

***Confidentiality***

23. Every credit rating agency shall treat, as confidential, information supplied to it by the client and no credit rating agency shall disclose the same to any other person, except where such disclosure is required or permitted by under or any law for the time being in force.

***Rating process***

- 24.(1) Every credit rating agency shall –
- (a) specify the rating process;
  - (b) file a copy of the same with the Board for record; and file with the Board any modifications or additions made therein from time to time.
- (2) Every credit rating agency shall, in all cases, follow a proper rating process.
- (3) Every credit rating agency shall have professional rating committees, comprising members who are adequately qualified and knowledgeable to assign a rating.
- (4) All rating decisions, including the decisions regarding changes in rating, shall be taken by the rating committee.
- (5) Every credit rating agency shall be staffed by analysts qualified to carry out a rating assignment.
- (6) Every credit rating agency shall inform the Board about new rating instruments or symbols introduced by it.

- (7) Every credit rating agency, shall, while rating a security, exercise due diligence in order to ensure that the rating given by the credit rating agency is fair and appropriate.
- (8) A credit rating agency shall not rate securities issued by it.
- (9) Rating definition, as well as the structure for a particular rating product, shall not be changed by a credit rating agency, without prior information to the Board.
- (10) A credit rating agency shall disclose to the concerned stock exchange through press release and websites for general investors, the rating assigned to the securities of a client, after periodic review, including changes in rating, if any.

#### **CHAPTER - IV**

#### **RESTRICTION ON RATING OF SECURITIES ISSUED BY PROMOTERS OR BY CERTAIN OTHER PERSONS**

##### ***Definitions***

25. In this Chapter, unless the context otherwise requires;-

- (a) "associate" , in relation to a promoter, includes a body corporate in which the promoter holds ten percent or more, of the share capital;
- (b) "promoter" means a person who holds ten percent or more, of the shares of the credit rating agency.

##### ***Securities Issued by promoter***

26. (1) No credit rating agency shall rate a security issued by its promoter.



- (2) In case promoter is a lending institution, its Chairman, director or employee shall not be a Chairman, director or employee of credit rating agency or its rating committee.

Provided that sub-regulation (2) shall come into force within three months from commencement of these regulations.

***Securities Issued by certain entities, connected with a promoter, or rating agency not to be rated***

27. (1) No credit rating agency shall, rate a security issued by an entity, which is :-

- (a) a borrower of its promoter; or
- (b) a subsidiary of its promoter; or
- (c) an associate of its promoter, if
  - (i) there are common Chairman, Directors between credit rating agency and these entities.
  - (ii) there are common employees.
  - (iii) there are common Chairman, Directors, Employees on the rating committee.

- (2) No credit rating agency shall rate a security issued by its associate or subsidiary, if the credit rating agency or its rating committee has a Chairman, director or employee who is also a Chairman, director or employee of any such entity.

***Securities already rated***

28. Nothing in this Chapter shall apply to securities whose rating has been already done by a credit rating agency before the commencement of these regulations, and such securities may, subject to the provisions of the other Chapters of these regulations, continue to be rated, without the need to comply with the restrictions imposed by the regulations contained in this Chapter.

## CHAPTER – V

### PROCEDURE FOR INSPECTION AND INVESTIGATION

#### ***Board's right to inspect***

- 29.(1) The Board may appoint one or more persons as inspecting officers, to undertake inspection or investigation of the books of account, records and documents of the credit rating agencies, for any of the purposes specified in sub-regulation (2).
- (2) The purposes referred to in sub-regulation (1) shall be the following, namely:
- (a) to ascertain whether the books of account, records and documents are being maintained properly;
  - (b) to ascertain whether the provisions of the Act and these regulations are being complied with;
  - (c) to investigate into complaints received from investors, clients or any other person on any matter having a bearing on activities of the credit rating agency
  - (d) in the interest of the securities market or in the interest of investors.
- (3) The inspections ordered by the Board under sub-regulation (1) shall not ordinarily go into an examination of the appropriateness of the assigned ratings on the merits.
- (4) Inspections to judge the appropriateness of the ratings may be ordered by the Board, only in case of complaints which are serious in nature.
- (5) Inspections referred to in sub-regulation (4) shall be carried out either by the officers of the Board or independent experts, with relevant experience or combination of both.

***Notice before inspection or investigation***

- 30.(1) Before ordering an inspection or investigation under regulation 29, the Board shall give not less than ten days written notice to the credit rating agency for that purpose.
- (2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), where the Board is satisfied that in the interest of the investors, no such notice should be given, it may, by an order in writing, direct that the inspection or investigation of the affairs of the credit rating agency be taken up without such notice.
- (3) During the course of an inspection or investigation, the credit rating agency against whom the inspection or investigation is being carried out shall be bound to discharge all its obligations as provided in regulation 31.

***Obligations of credit rating agency on inspection or investigation by the Board***

- 31.(1) It shall be the duty of every credit rating agency whose affairs are being inspected or investigated, and of every director, officer or employee thereof, to produce to the inspecting or investigating officer such books, accounts and other documents in its or his custody or control and furnish him with such statements and information relating to its rating activities, as the inspecting officer may require within such reasonable period as may be specified by the said officer.
- (2) The credit rating agency shall –
- (a) allow the inspecting officer to have reasonable access to the premises occupied by such credit rating agency or by any other person on its behalf;

- examining any books, records, documents and computer data in the possession of the credit rating agency; and
- (c) provide copies of documents or other materials which, in the opinion of the inspecting officer, are relevant for the purposes of the inspection or investigation, as the case may be.

(3) The inspecting officer, in the course of inspection or investigation, shall be entitled to examine, or record the statements, of any officer, director or employee of the credit rating agency for the purposes connected with the inspection or investigation.

(4) Every director, officer or employee of the credit rating agency shall be bound to render to the inspecting officer all assistance in connection with the inspection or investigation which the inspecting officer may reasonably require.

***Submission of Report to the Board***

32. The inspecting officer shall, as soon as possible, on completion of the inspection or investigation, submit a report to the Board.

**Provided** that if directed to do so by the Board, he may submit an interim report.

***Communication of Findings etc. to the Credit Rating Agency***

33.(1) The Board shall, after consideration of the inspection report or the interim report referred to in regulation 32, communicate the findings of the inspecting officer to the credit rating agency and give it a reasonable opportunity of being heard in the matter.

(2) On receipt of the explanation, if any, from the credit rating agency, the Board may call upon the credit rating agency to take such measures as the Board may deem fit in the interest of the securities market and for due compliance with the provisions of the Act and these regulations.

## CHAPTER VI

### PROCEDURE FOR ACTION IN CASE OF DEFAULT

#### ***Liability for action in case of default.***

34.(1) A credit rating agency which: -

- (a) fails to comply with any condition subject to which a certificate has been granted; or
- (b) contravenes any of the provisions of the Act or these regulations or any other regulations made under the Act; shall be liable to either of the penalties specified in sub-regulation (2).

(2) The penalties referred to in sub-regulation (1) are: -

- (a) suspension of registration; or
- (b) cancellation of registration.

#### ***Suspension of registration***

35. A penalty of suspension of the certificate of registration of a credit rating agency may be imposed by the Board, if the case falls under sub-regulation (1) of regulation 34.

#### ***Cancellation of Registration***

36.(1) A penalty of cancellation of certificate of registration of a credit rating agency may be imposed by the Board, if:

- (a) the credit rating agency is guilty of fraud, or has been convicted of an offence involving moral turpitude or an economic offence; or
- (b) in case of repeated defaults of the nature mentioned in sub-regulation (1) of regulation 34.

- (c) the credit rating agency is declared insolvent or wound up;
- (2) The Board shall furnish to the credit rating agency reasons in writing for cancellation of registration.

***Manner of Making Order of Suspension and Cancellation***

37. No order of suspension or of cancellation of the certificate of registration certificate, shall be passed by the Board, except after holding an enquiry in accordance with the procedure specified in regulation 38.

Provided that the holding of such an enquiry shall not be necessary in cases where:

- (a) the credit rating agency is declared insolvent or is wound up; or
- (b) the credit rating agency fails to pay to the Board registration fees or renewal fee as per these regulations.

Provided further that an opportunity of hearing shall be given before any action against the credit rating agency is taken.

***Manner of Holding enquiry before Suspension or Cancellation***

- 38.(1) For the purpose of holding an enquiry under regulation 37, the Board may appoint one or more enquiry officers.
- (2) The enquiry officer shall issue to the credit rating agency a notice at the registered office or the principal place of business

of the credit rating agency, setting out the grounds on which action is proposed to be taken against it and calling upon it to show cause against such action within a period of fourteen days from the date of receipt of such notice.

- (3) The credit rating agency, may, within fourteen days from the date of receipt of such notice, furnish to the enquiry officer a written reply, together with copies of documentary or other evidence relied on by it or sought by the Board from the credit rating agency.
- (4) The enquiry officer shall give a reasonable opportunity of hearing to the credit rating agency, to enable it to make its submission in support of its reply made under sub-regulation (3).
- (5) Before the enquiry officer, the credit rating agency may either appear in person or through any person duly authorised on this behalf.

Provided that no lawyer or advocate shall be permitted to represent the credit rating agency at the enquiry;

Provided further that where a lawyer or an advocate has been appointed by the board as a presenting officer under sub-regulation (6), it shall be lawful for the credit rating agency to present his case through a lawyer or advocate.

- (6) If it is considered necessary, the enquiry officer may request the Board to appoint a presenting officer to present its case.
- (7) The enquiry officer shall, after taking into account all relevant facts and submissions made by the credit rating agency, submit a report

to the Board and recommend the penalty, if any to be imposed upon the credit rating agency as also the grounds on the basis of which the proposed penalty is justified.

***Show-cause notice and order***

- 39(1) On receipt of the report from the enquiry officer, the Board shall consider the same and issue a show-cause notice to the credit rating agency, as to why the penalty as proposed by the enquiry officer should not be imposed.
- (2) The credit rating agency shall, within fourteen days of the date of receipt of the show-cause notice, send a reply to the Board.
- (3) The Board, after considering the reply of the credit rating agency to the show-cause notice, shall as soon as possible pass such order as it deems fit.
- (4) Every order passed by the Board under sub-regulation (3) shall be self-contained and shall give reasons for the conclusions stated therein, including justification of the penalty if any imposed by that order.
- (5) The Board shall send to the credit rating agency a copy of the order passed under sub-regulation (3).

***Effect of suspension and cancellation of registration of credit rating agency***

- 40(1) On and from the date of suspension of the certificate of registration, the credit rating agency shall cease to carry on any rating activity during the period of suspension and shall be subject to such directions of the Board with regard to any



records, documents securities or reports that may be connected with in its rating activities, as the Board may specify.

- (2) On and from the date of cancellation of the certificate of registration, the credit rating agency shall: -

(a) cease to carry in any rating activity and

(b) shall be subject to such directions of the Board with regard to the transfer of records, documents, securities or reports connected with its rating activities which may be in its custody or control as the Board may specify.

- (3) Notwithstanding the suspension or cancellation of certificate of a credit rating agency, if the Board is satisfied that it is in the interest of the investors to grant such permission, the Board may grant to the credit rating agency permission to carry on such activities relating its assignments undertaken prior to such suspension or cancellation, as the Board may specify.

#### ***Publication of Order of Suspension or Cancellation***

41. The order of suspension or cancellation of certificate of registration, passed under sub-regulation (3) of regulation 39, shall be published by the Board in at least two daily newspapers.

#### ***Appeal to the Central Government***

42. Any person aggrieved by an order of the Board under these regulations ;

(a) suspending a certificate of registration; or

(b) cancelling certificate of registration,

may prefer an appeal to the Central Government against such order, in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Appeal to the Central Government) Rules, 1993.

[F. No. SEBI/LE/17/13693/99]

D.R. MEHTA, Chairman

**FIRST SCHEDULE**

**FORM A**

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA  
(CREDIT RATING AGENCIES) REGULATIONS, 1999**

**[REGULATION 3(3)]**

**APPLICATION FOR GRANT OF CERTIFICATE**

**/ RENEWAL OF CERTIFICATE**

**NAME OF APPLICANT**

---

**CONTACT NAME :**

**TELEPHONE NO:**

**FAX NO:**

**INSTRUCTIONS FOR FILLING UP FORM -**

1. Applicants must submit to the Board a completed application form together with appropriate supporting documents. Supporting documents should be attested as true by a notary public.
2. This application form should be filled in accordance with the regulations.
3. Application for registration will be considered, only if it is complete in all respects.
4. All answers must be typed.
5. Information which needs to be supplied in more detail may be given on separate sheets which should be attached to the application form.
6. All signatures on the application must be original.
7. Every page of the form as well as every additional sheet must be initialed by the authorised signatory of the applicant.

**1.0 PARTICULARS OF THE APPLICANT**

1.1 Name, address of the registered office, address for correspondence, telephone number(s), fax number(s) and name of the contact person of the company. Address of branch offices, if any.

1.2 Date of incorporation of the Applicant company ( enclose certificate of incorporation and memorandum and articles of association). Specify the following:

- (a) Objects (Main & Ancillary) of the Applicant company
- (b) Authorised, issued, subscribed and paid up capital

1.3 Category to which the Applicant company belongs to:

- (a) Limited company - Private/Public.
- (b) Unlimited company.

If listed, names of Stock Exchanges and latest share price to be given.

1.4 Category to which the Applicant company belongs to (refer Regulation 3)

- (a) Company already in the business of undertaking rating activities
- (b) Company proposing to undertake rating activities for the first time.

**2.0 ELIGIBILITY CRITERIA**

2.1 Category to which the promoter (s) of the Applicant company belong to (refer Regulation 4).

2.2 Name the promoters and indicate their shareholding in the company.

2.3 Enclose a Chartered Accountant's certificate certifying the continuous net worth of Rs.100 crores for five years, in case the promoter referred to in regulation 4(e).

2.4 Net worth of the company as per the last audited accounts not earlier than three months from the date of application [refer regulation 5(c)]. Enclose a Chartered Accountant's certificate certifying the same.

### 3.0 PARTICULARS OF DIRECTORS/ KEY PERSONNEL

3.1 Particulars of Directors of the company, which shall include name, qualification, experience, shareholding in the company and directorship in other companies.

3.2 Particulars of Key Personnel of the company, which shall include name, designation in the company, qualification, previous positions held, experience, date of appointment in the company and functional areas

### 4.0 INFRASTRUCTURE

4.1 Details of infrastructure including computing facilities, facilities for research and database available with the company and whether the existing infrastructure is adequate to carry on the rating activities proposed to be undertaken by the company. Any further plan for additional/ improved infrastructure to be indicated.

### 5.0 MAJOR SHAREHOLDERS

5.1 List of major shareholders (holding 5% and above of applicant directly or along with associates)

Shareholding as on : \_\_\_\_\_

Name of shareholder	No .of Shares held	% age of total paid up capital of the company

### 6.0 ASSOCIATE CONCERNS

6.1 Particulars of associate companies/concerns which shall include name, address, type of activity handled, nature of interest of the Applicant company in the associate, nature of interest of promoter(s) of the applicant in the associate.

6.2 Whether the Board has granted/ refused registration as credit rating agency to any associate of the applicant. Give the details like date of application, date of refusal/ registration, reasons for refusal etc.

### 7.0 BUSINESS INFORMATION OF THE COMPANY

7.1 History, major events and present activities. Details of Experience in Credit Rating activities and other related activities

7.2 If the company is proposing to engage in credit rating activities for the first time, business plan of the company with projected volume of activities and income for which registration is sought to be specifically given.

7.3 Securities Rating activities handled during the last three years as per the table below :

Name of Client	Type of security	Size of issue	Year of Issue	Security/ Instrument rated	listed / unlisted
----------------	------------------	---------------	---------------	----------------------------	-------------------

7.4 Details of other rating activities undertaken during last three years.

7.5 Any other information considered relevant to the nature of services rendered by the applicant.

## 8.0 FINANCIAL INFORMATION ABOUT THE APPLICANT

### 8.1 Net worth

( Rs. In Lacs)

Items	Year prior to the preceding year of the current year	Preceding year	Current year
(a) Paid-up capital			
(b) Free reserves (excluding revaluation reserves)			
Total (a) + (b)			

(c) Accumulated losses			
(d) Deferred revenue expenditure not written off.			
Net worth (a)+(b)-(c)-(d)			

8.2 Please enclose audited annual accounts for the last three years. Where unaudited reports are submitted, give reasons. If minimum networth requirement has been met after last audited annual accounts, audited statement of accounts of a later date also be submitted.

8.3 Name and Address of the Principal bankers of the Applicant company .

8.4 Name and address of the Auditors.

## 9.0 OTHER INFORMATION

9.1 Details of all pending litigations against the applicant company, directors and employees :

Nature of dispute	Name of the party	Status
-------------------	-------------------	--------

9.2 Indictment or involvement in any fraud or economic offences by the applicant or any of its Directors, or key managerial Personnel, in the last three years.

## 10.0 DECLARATION

10.1 Give the following declarations signed by two directors:

I/We hereby apply for registration.

I/We warrant that I/We have truthfully and fully answered the questions above and provided all the information which might reasonably be considered relevant for the purposes of my registration.

I/We declare that the information supplied in the application form is complete and correct.

For and on behalf of

\_\_\_\_\_  
(Name of Applicant)

Director

Director

\_\_\_\_\_  
Name in Block Letters

\_\_\_\_\_  
Name in Block Letters

\_\_\_\_\_  
Date

\_\_\_\_\_  
Date

**FORM B****SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA  
(CREDIT RATING AGENCIES) REGULATIONS, 1999****[REGULATION 8(1)]****CERTIFICATE OF REGISTRATION**

- I. In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, read with the rules and regulations made thereunder the Board hereby grants a certificate of registration to \_\_\_\_\_ as a credit rating agency in accordance with and subject to the conditions in the regulations to carry out the activity of the credit rating agency:-
- II. Registration Code for the credit rating agency is CRA/ / /
- III. This certificate shall be valid from \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_ and may be renewed as specified in regulation 10 of Securities and Exchange Board of India (Credit Rating Agencies) Regulations, 1999.

**Place :**  
**Date**

**By Order**  
**Sd/-**  
**For and on behalf of**  
**Securities and Exchange Board of India**

**SECOND SCHEDULE****SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA  
(CREDIT RATING AGENCY) REGULATIONS, 1999****[REGULATIONS 3(3), 8(2), 10(3)]****FEEs****PART A****Amount to be paid as fees**

---

Application fee (Rs)	25,000/-
Registration fee for grant of certificate (Rs)	5,00,000/-
<b>Renewal fee (Rs.)</b>	<b>3,00,000/-</b>

---

**PART B**

1. The fees specified above shall be paid by way of a bank draft in favour of "Securities and Exchange Board of India" payable at Mumbai.



**THIRD SCHEDULE****SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA  
CODE OF CONDUCT FOR CREDIT RATING AGENCIES  
( Regulation 13 )**

- (1) A credit rating agency in the conduct of its business shall observe high standards of integrity and fairness in all its dealings with its clients.
- (2) A credit rating agency shall fulfil its obligations in an ethical manner.
- (3) A credit rating agency shall render at all times high standards of service, exercise due diligence, ensure proper care and exercise independent professional judgement. It shall wherever necessary, disclose to the clients, possible sources of conflict of duties and interests, while providing unbiased services.
- (4) The credit rating agency shall avoid any conflict of interest of any member of its rating committee participating in the rating analysis. Any potential conflict of interest shall be disclosed to the client.
- (5) A credit rating agency shall not indulge in unfair competition nor shall they wean away client of any other rating agency on assurance of higher rating.
- (6) A credit rating agency shall not make any exaggerated statement, whether oral or written, to the client either about its qualification or its capability to render certain services or its achievements in regard to services rendered to other clients.
- (7) A credit rating agency shall always endeavor to ensure that all professional dealings are effected in a prompt and efficient manner.
- (8) A credit rating agency shall not divulge to other clients, press or any other party any confidential information about its client, which has come to its knowledge, without making disclosure to the concerned person of the rated company / client.
- (9) A credit rating agency shall not make untrue statement or suppress any material fact in any documents, reports, papers or information furnished to the Board or to public or to stock exchange.
- (10) A credit rating agency shall not generally and particularly in respect of issue of securities rated by it be party to -

- (a) creation of false market;
  - (b) passing of price sensitive information to brokers, members of the stock exchanges, other players in the capital market or to any other person or take any other action which is unethical or unfair to the investors.
- (11) A credit rating agency shall maintain an arm's length relationship between its credit rating activity and any other activity.
- (12) A credit rating agency shall abide by the provisions of the Act, regulations and circulars which may be applicable and relevant to the activities carried on by the credit rating agency.